हेनरी

कृतिका

Help-Kit

6-8

Henry Books

BOOK-6

पाठ-1 इतने ऊँचे उठो

1. (क) कवि सभी भेदभावों से ऊपर उठकर विश्व में समानता चाहता है।

(ख) कवि कहते हैं कि हमें नए समाज निर्माण में अपनी नई सोच को जाति, धर्म, रंग-द्वेष आदि जैसे भेदभावों से ऊपर उठकर सभी को समानता की दृष्टि से देखना चाहिए।

(ग) जिस तरह परिवर्तन सदैव होता रहता है उसी प्रकार हमें भी सभी बंधनों को तोड़कर हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(घ) वास्तविक।

(ङ) समाज का सृजन करने को कह रहा है।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) i, (घ) iii

3. (क) इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से।
सिंचित करो धरा समता की भाववृष्टि से।
जाति भेद की, धर्म वेश की।

(ख) तोड़ो बंधन, रुके न चिंतन।
गति, जीवन का सत्य चिरंतन।
धारा के शाश्वत प्रवाह में।
इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है।

4.

जाति भेद की	नूतन अक्षर दो
नई तूलिका से	रुके न चिंतन
भाषा को	उसे धरती पर लाना
तोड़ो बंधन	धर्म वेश की
अगर कहीं हो स्वर्ग	चित्रों के रंग उभारो

5. (क) जिस प्रकार संगीतकार अपने नए राग में स्वरों को पिरोता है, उसी प्रकार हमें भी अपने समाज को नया रूप देने के लिए सृजनात्मक बनना होगा और सृजन को हमें अपने अंदर मौलिक रूप से ग्रहण करना होगा।

(ख) हमें अपनी सोच और भावनाएँ सदैव अच्छी रखनी चाहिए जिससे एक सुंदर समाज की रचना होगी और वह समाज सदैव विकास की ओर बढ़ता रहेगा। जिस प्रकार हम किसी आकर्षण की ओर खिंचे चले जाते हैं उसी प्रकार अच्छी सोच के साथ हमें खुद को भी आकर्षक बनाना है।

6. (क) कवि समाज में समानता और शांति लाने का प्रयत्न करना चाहता है। समाज को नया रूप देना चाहता है।

(ख) क्योंकि पुरानी परंपराओं से हमारा विकास अवरुद्ध होगा। जिस तरह परिवर्तन होता रहता है उसी प्रकार हमें भी आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(ग) हमें अपनी कल्पनाओं को मूर्त रूप देते हुए अच्छाइयों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए और तभी हम समाज को सभी बुराइयों से ऊपर उठाकर एक खूबसूरत समाज की रचना कर सकते हैं।

7. वेश-द्वेष, स्वर-अक्षर, पोषक-द्योतक, चिंतन-चिरंतन, तारे-हमारे

8. (क) पंकज, राजीव, नीरज; (ख) हवा, वायु, अनिल; (ग) अंबर, आकाश, आसमान; (घ) सूर्य, दिवाकर, रवि

9. नीचा, आकाश, गोरा, ऊष्ण, पुरातन, सुंदर, वर्तमान, जोड़ना, नरक

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 समय

1. (क) टाइमपीस लोग टाइम पर आपने घर मिलते हैं और टाइम से दूसरे के घर जाते हैं।

(ख) लेखक के अनुसार इंतजार से प्रेम बढ़ता है क्योंकि हर क्षण वही हमारे मन में रहता है जिसका हम इंतजार कर रहे होते हैं और उसी के इंतजार में आँखें दरवाजे पर बिछी रहती हैं।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) तीन, (ख) हरिशंकर परसाई, (ग) समय का

3. (क) आदमी, (ख) , (ग) इंतजार, (घ) हँसता, (ङ) मनुष्य

5. (क) लेखक के अनुसार आदमी तीन प्रकार के होते हैं—समय पर घर पर न मिलने वाले, समय पर किसी के घर न जाने वाले और न ही समय पर घर पर मिलने वाले।

(ख) जो समय पर घर पर मिलते हैं और समय पर दूसरे के घर भी जाते हैं। सज्जनतावश हम इन्हें भी 'आदमी' कह देते हैं। ये असल में 'टाइमपीस' होते हैं। ये घर में रहेंगे तो टाइमपीस देखते रहेंगे और बाहर होंगे तो हाथघड़ी देखते रहेंगे।

(ग) जो लोग समय तय करके भी घर पर नहीं मिलते हैं, वे मुझे भगवान के एजेंट मालूम होते हैं।

(घ) लेखक अपने दोस्त से मिलने का समय तय करके कभी उस समय नहीं जाता क्योंकि वे उन्हें बुलाकर भूल जाते हैं और घर पर बुलाए गए समय पर नहीं मिलते हैं।

(ङ) कई सालों के उनके साथ के अनुभवों से लेखक ने सावधानी की दीवार अपने आसपास खड़ी कर ली थी। वे जिस वक्त घर पर मिलने का वादा करते, उस वक्त लेखक कभी नहीं जाता और जब वे लेखक के घर आने की बात तय करते तब मैं बेखटके बाहर घूमता। क्योंकि लेखक को विश्वास था, वे उस वक्त नहीं आएँगे। उन्होंने शाम को सात बजे आने को कहा है तो सुबह आठ बजे तक भी आ सकते हैं। वे घर से इधर आने के लिए ही निकलेंगे, पर रास्ते में जो मिल जाएगा, उसी के हो जाएँगे। उससे बातें करने लगेंगे, उसके घर चले जाएँगे, वहाँ खाना खा लेंगे और तब उन्हें याद आएगा कि किसी से मिलने का वक्त तय किया था। वे हड़बड़ाकर भागेंगे, पर रास्ते में कोई मिल गया तो उसी के साथ हो लेंगे।

6. (क) अच्छे आचरण से आत्मा शुद्ध होती है।
(ख) मुझे तुम्हारी बात सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।
(ग) किसान परिश्रम से अपना जीवन निर्वाह कर रहा है।
(घ) किले के फाटक अब प्रात: काल ही खुलेंगे।
(ङ) सरकस का विज्ञापन सभी अखबारों में छपा है।

7. (क) कर्मवाच्य, (ख) कर्तृवाच्य, (ग) कर्मवाच्य, (घ) भाववाच्य, (ङ) भाववाच्य

8. (क) ईय, (ख) ता, (ग) त्व, (घ) ईन, (ङ) वान, (च) आहट, (छ) दार, (ज) आई

9. (क) आदमी तीन प्रकार के होते हैं।
(ख) हम इन्हें बर्दाश्त कर लेते हैं।
(ग) हम फिर दूसरे दिन आठ बजे पहुँचते हैं।
(घ) लड़का मुँह छुपाकर हसँता है।
(ङ) अब हम दोनों सचेत हो गए।

10. (क) हम, इन्हें, (ख) वह, हमें (ग) वही, उनका, (घ) वे, मुझे, (ङ) मैं, उसे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 एक नई प्रजाति के भिखमंगे

1. (क) गली-बाजार में, मंदिर-मस्जिद के आसपास रेल-बसों आदि में।

(ख) हम भिखारी को पैसे, कपड़े और खाना देते हैं।

(ग) फटे-पुराने वस्त्रों में लिपटे, हाथ में कटोरा लिए हुए भीख माँगते हुए दिखाई देते हैं।

(घ) इस प्रजाति के भिखमंगे अपने विशेष सामाजिक स्थान और मान रखते हैं। इनमें साधारण किस्म के भिखमंगों जैसा कोई लक्षण नहीं पाया जाता है। सबसे बड़ी बात तो यही है कि आप इन भिखमंगों को आसानी से पहचान भी नहीं सकते हैं। ये वे भिखमंगे हैं जो खाते-पीते तन-बदन पर देसी घी की अच्छी-खासी चर्बी चढ़ने के बावजूद, महँगी खादी के चमचमाते दूधिया वस्त्र पहन कर भीख के व्यवसाय को संपन्न करते हैं। उस पर भी अपने हाथों में छोटा-बड़ा कटोरा लेकर नहीं, बल्कि मजबूती से सिलवाई गई कपड़े की बड़ी-बड़ी थैलियाँ लेकर। इन भिखमंगों की तो बात ही निराली है। ये मतवाले देश की साधारण जनता से भीख माँगने की रस्म तो कभी-कभार ही अदा करते हैं, अन्यथा तो देश अथवा समाज के प्रभावशाली और धनाढ्य लोगों के पास ही अपनी बड़ी-बड़ी खाली थैलियाँ पहुँचाते हैं, जो उनमें ठूँस-ठूँसकर नोट भरके ही उन्हें वापस करते हैं। असल में ये हमारे देश के पूँजीपतियों के स्टैंडर्ड के भिखमंगे होते हैं। जबकि साधारण भिखमंगे फटे-पुराने वस्त्र पहनकर, कटोरा लेकर भीख माँगते हैं।

(ङ) छोटे-मोटे लोगों से भीख माँगना तो इनके लिए कुएँ में डूब मरने वाली बात होती है। लाखों-करोड़ों का माल डकार कर भी हमेशा भूखी बकरी की तरह मिमियाते रहते हैं और देश अथवा समाज के प्रभावशाली और धनाढ्य लोगों के पास ही अपनी खाली थैलियाँ पहुँचाते हैं अर्थात् भीख माँगते हैं।

2. (क) i, (ख) i, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) भिखमंगे; (ख) प्रजाति; (ग) विशेष; (घ) सामाजिक; (ङ) थैलियाँ; (च) खरपतवार, (छ) दबंग

4.

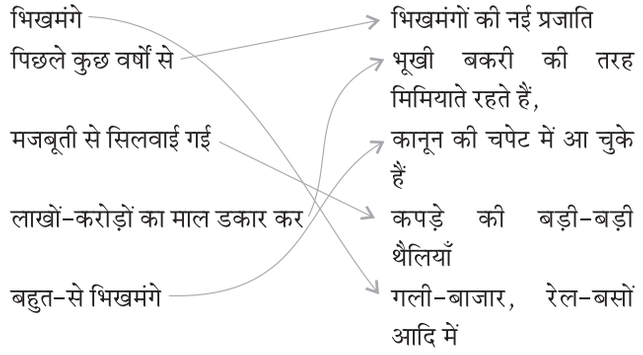

5. (क) पिछले कुछ सालों से हमारे देश में भिखमंगों की एक विशेष प्रजाति पैदा हो गई है जो कि साधारण भिखारियों से भिन्न है। वह खाते-पीते, महँगी खादी के चमचमाते दूधिया वस्त्र पहनकर भीख के व्यवसाय को संपन्न करते हैं।

(ख) नई प्रजाति के भिखमंगे हाथों में कटोरा नहीं बल्कि मजबूती से सिलवाई गई कपड़े की बड़ी-बड़ी थैलियाँ धनाढ्य लोगों के पास पहुँचाते हैं जो उनमें ठूँस-ठूँसकर नोट भरकर वापस करते हैं।

6. (क) भिखमंगे समाज में भ्रष्टाचार की सच्चाई को प्रकट करते हैं। यह भिखमंगे हमारे समाज को बदनाम कर रहे हैं।

(ख) इनकी बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए यह कहना कतई गलत नहीं कि यदि स्थिति यही रही तो एक दिन समस्त आर्थिक शक्तियाँ इनकी दास बनकर रह जाएँगी तथा हम साधारण देशवासी इन बड़े भिखमंगों के सामने भिखमंगे बन कर खड़े नजर आएँगे।

(ग) भ्रष्ट राजनेता राष्ट्र व समाज में रिश्वत लेकर, लोगों से गैरकानूनी काम कराकर और उनसे बदले में पैसे बटोरकर हानि पहुँचा सकते हैं।

(घ) इस प्रजाति के भिखमंगे अपने विशेष सामाजिक स्थान और मान रखते हैं। इनमें साधारण किस्म के भिखमंगों जैसा कोई लक्षण नहीं पाया जाता है। सबसे बड़ी बात तो यही है कि आप इन भिखमंगों को आसानी से पहचान भी नहीं सकते हैं। ये वे भिखमंगे हैं जो खाते-पीते तन-बदन पर देसी घी की अच्छी-खासी चर्बी चढ़ने के बावजूद, महँगी खादी के चमचमाते दूधिया वस्त्र पहन कर भीख के व्यवसाय को संपन्न करते हैं। उस पर भी अपने हाथों में छोटा-बड़ा कटोरा लेकर नहीं, बल्कि मजबूती से सिलवाई गई कपड़े की बड़ी-बड़ी थैलियाँ लेकर। इन भिखमंगों की तो बात ही निराली है। ये मतवाले देश की साधारण जनता से भीख माँगने की रस्म तो कभी-कभार ही अदा करते हैं, अन्यथा तो देश अथवा समाज के प्रभावशाली और धनाढ्य लोगों के पास ही अपनी बड़ी-बड़ी खाली थैलियाँ पहुँचाते हैं, जो उनमें ठूँस-ठूँसकर नोट भरके ही उन्हें वापस करते हैं। असल में ये हमारे देश के पूँजीपतियों के स्टैंडर्ड के भिखमंगे होते हैं। जबकि साधारण भिखमंगे फटे-पुराने वस्त्र पहनकर, कटोरा लेकर भीख माँगते हैं।

(ङ) स्वयं कीजिए।

7. (क) मजबूर—**लाचार** होकर वह घर में पड़े बासी टुकड़े खाने लगी।

(ख) काम धंधा—राम का **व्यवसाय** अच्छा चल रहा है।

(ग) लौटा देना—मेरे कहने पर उसने पुस्तक **वापस** कर दी।

(घ) प्रार्थना—भिखारी ने पूरे दिन **भीख** माँगी।

(ङ) जो किसी से न दबे—वह गाँव का **दबंग** है।

8. परि + वेश; भिख + मंगा; प्र + जाति; अन + आवश्यक

9. (क) अमीरी; (ख) पराया; (ग) अगला; (घ) असाधारण; (ङ) जाना; (च) अपमान

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 हर जीव का मोल

1. (क) स्वयं कीजिए।

(ख) राजा ने सोचा कि संसार में इस बात की खोज की जाए कि कौन-से जीव-जंतुओं का उपयोग नहीं है।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) ii, (घ) i

3. (क) खोज (ख) आक्रमण (ग) हार (घ) मक्खी, डंक (ङ) गुफा, जाला

4.

आज्ञा दी गई कि	बिलकुल बेकार हैं।
जंगली मक्खी और मकड़ी	आक्रमण कर दिया।
शक्तिशाली राजा ने	हर जीव का मोल है।
राजा को राजपाट	जीव-जंतुओं की खोज करो।
भगवान की बनाई दुनिया में	छोड़ जंगल में जाना पड़ा।

5. (क) राजा ने आज्ञा दी कि संसार में इस बात की खोज की जाए कि कौन-से जीव-जंतुओं का उपयोग नहीं है।
(ख) राजा ने जंगली मक्खी और मकड़ी को संसार में बेकार के जीव समझ कर उन्हें खत्म करने की बात सोची।
(ग) युद्ध में हार जाने के कारण राजा को अपना राजपाट छोड़कर जंगल में जाना पड़ा।
(घ) राजा थककर एक पेड़ के नीचे सो गया और एक जंगली मक्खी के नाक पर डंक मार जाने के कारण राजा की नींद खुल गई।
(ङ) राजा जब जान बचाकर गुफा के अंदर गया तब मकड़ियों ने गुफा के द्वार पर बड़ा-सा जाला बुन दिया जिससे राजा के प्राण बच गए।
(च) अंत में राजा को अहसास हुआ कि संसार में कोई भी प्राणी या चीज बेकार नहीं होती है। अगर जंगली मक्खी और मकड़ी न होती तो उसकी जान न बच पाती।
(छ) इस कहानी से हमें संसार के हर जीव, प्राणी और चीजों के मोल का पता चलता है कि भगवान की बनाई दुनिया में हर जीव का मोल होता है, कब, कहाँ, किसकी जरूरत पड़ जाए।

6. (क) आदेश अनुमति (ख) दुनिया जगत
(ग) आविष्कार ढूँढ़ना (घ) सम्राट नृप
(ङ) हमला धावा (च) संग्राम लड़ाई
(छ) बैरी दुश्मन (ज) प्राण जीवन

7. (क) गुरुत्वाकर्षण की खोज न्यूटन ने की थी।
(ख) यह संसार विभिन्न जीव-जंतुओं से भरा हुआ है।
(ग) रात में अचानक शेर ने गाँव वालों पर आक्रमण कर दिया।
(घ) चोर को मधुमक्खी ने डंक मार दिया।
(ङ) राजा जंगल से सुरक्षित लौट आए।
(च) स्कूल में अच्छे शिक्षकों की जरूरत है।
(छ) संसार के प्रत्येक प्राणी का अपना मोल होता है।

8. (क) कोई, (ख) सुंदर, (ग) हमारी, (घ) अकेली, (ङ) थोड़ा, (च) पाँच

9. (क) शायद आज मेघना को आना था।
(ख) वह कहानी सुना चुका था।
(ग) चाची जी ने खाना बना लिया था।
(घ) आदी क्रिकेट खेल चुका था।
(ङ) बालक पढ़ रहा था।
(च) रश्मि खेल रही थी।
(छ) दादा जी सो रहे थे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 आज्ञाकारी सेनापति

1. स्वयं कीजिए

2. (क) i, (ख) iii, (ग) ii

3. (क) घूमने, (ख) स्वादिष्ट, त्याग, (ग) होशियार, सेनापति, (घ) रसोइए के, (ङ) सिपाहियों, (च) भोजन, (छ) प्रणाम

4.

राजा कौआ रानी से	बहुत प्यार करता था।
सेनापति कौआ रसोई की	छत पर जा बैठा।
अपनी-अपनी चोंच में	चावल और मछली भर लेना।
ऐसे स्वामिभक्त को तो	उपहार मिलना चाहिए।
मगर रानी की इच्छा तो	पूरी हो गई।

5. (क) राजा कौए ने अपनी रानी से कहा
(ख) सेनापति कौए ने राजा कौए से कहा
(ग) कौए की पत्नी ने कौए से कहा
(घ) राजा ने अपने सिपाहियों से कहा

6. (क) राजा कौआ नंदनपुर में अपनी रानी के साथ एक घने पेड़ पर रहता था।
(ख) कौए की पत्नी ने महल का स्वादिष्ट भोजन खाने की इच्छा जाहिर की तो राजा कौआ सोच में पड़ गया।
(ग) सेनापति कौए ने अपनी चोंच से रसोइए के सिर पर वार किया इसलिए रसोइए के हाथ से थाल छूट गया।
(घ) सेनापति ने अपने आठों कौओं को थाल गिरने पर अपनी-अपनी चोंच में चावल और मछली भरने का निर्देश दिया।
(ङ) सेनापति कौआ सोचने लगा कि कोई बात नहीं मेरा चाहे कुछ भी हो, मगर रानी की इच्छा तो पूरी हो गई।

7. (क) बरगद का पेड़ बहुत घना होता है।
(ख) माँ के हाथ का बना खाना बहुत स्वादिष्ट होता है।
(ग) किसी भी सही बात को अन्यथा ना ले।
(घ) मानव की भलाई के लिए महर्षि दधीचि ने अपनी अस्थियों का त्याग करा।
(ङ) चील ने झपट्टा मारकर साँप को दबोच लिया।
(च) टीना का उपहार बहुत ही अच्छा है।

8. (क) सम्राट (ख) कठोर
(ग) प्रयत्न (घ) खानसाया
(ङ) अभिलाषा (च) वादा

9. (क) घृणा (ख) छोड़ना
(ग) रंक (घ) गुलाम
(ङ) प्रसन्न (च) दूर

10. (क) दोनों भाइयों के स्वभाव में बहुत अंतर है।
माता जी रसोई के अंदर हैं।
(ख) किसान धान की फसल बो रहा है।
सरपंच के घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं थी।
(ग) सभा में कुल तीस लोग उपस्थित थे।
साधु ने अपनी कुटिया नदी के कूल पर बनाई थी।
(घ) राजा की सेना में पाँच लक्ष सिपाही थे।
डॉक्टर बनना मेरे जीवन का लक्ष्य है।
(ङ) नदी में जलते दीयों की कतार बहुत सुंदर लग रही थी।
जहाज टूट गया और सभी यात्री एक द्वीप पर जा पहुँचे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 मेहनत का फल

1. (क) टीका दूसरे गाँव अपने सास-ससुर से मिलने गया।

(ख) टीका की बीवी का नाम तारा था।

(ग) लुटेरों का उसूल था कि वे पूछ-पूछकर अतिरिक्त समान ले जाते थे।

(घ) टीका के ससुराल जाने की बात सुनकर तारा खुश थी।

2. (क) टीका, (ख) ससुराल, (ग) टीका को

3. (क)टीका की सास ने, टीका से, (ख) लुटेरों के सरदार ने, टीका के ससुर से, (ग) टीका के ससुर ने, लुटेरों के सरदार से, (घ) टीका के ससुर ने, लुटेरों के सरदार से

4. (क) तो टीका खूब धन कमाकर न लौटता।

(ख) तो आराम से अपने घर रहता।

(ग) तो टीका लुटेरों के हाथ न पड़ता।

(घ) लुटेरे उसे साथ ले जाते या मार देते।

5. (क) आदमी, (ख) उसूल, (ग) दामाद, (घ) मेहनत

6.

कपड़े	गहने
सास	ससुर
सिट्टी	पिट्टी
बस खाना	सोना

7. स्वयं कीजिए।

8. (क) टीका ने अपने बीवी और बच्चों को बहुत-से कपड़े-गहने खरीदवाए।

(ख) ससुराल वाले टीका से उकता गए थे क्योंकि वह खाने और सोने के अतिरिक्त कुछ काम नहीं करता था।

(ग) टीका अपने ससुर से मिन्नतें करने लगा क्योंकि ससुर ने लुटेरों से उसे ले जाने को कहा था। वह अपनी जान बचाने के लिए ससुर की मिन्नतें कर रहा था।

(घ) टीका के ससुर ने लुटेरों से उनके उसूल के आधार पर टीका को छोड़ जाने को कहा और टीका के ससुर ने उसे बचाया।

9. (क) अश्व, तुरंग, (ख) , , (ग) संपत्ति, संपदा, (घ) गृह, आवास

10. परिश्रम, मरण, घृणा, कम

11. (क)बहुत परिश्रम करना, (ख) बहुत प्रसन्न होना, (ग) एकदम समाप्त हो जाना, (घ) बोर हो जाना, (ङ) डर जाना

12. आभूषण, एकत्र, जमाता, कार्य, गर्दभ, ग्राम

13. (क) गैर, (ख) उन

14.

अ	— असफल, असामान्य	नि	— निगम, निहान
परा	— पराकाष्ठा, पराक्रम	कु	— कुपुत्र, कुमार्ग
स्व	— स्वतंत्र, स्वदेश	अनु	— अनुवाद, अनुकरण
अन	— अनादर, अनाचार	उप	— उपदेश, उपस्थिति

15. समाने, मीका, खोए, फर्राटा

16. (क) अक्षम्य, (ख) लापरवाह

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 एलबम

1. (क)जोड़े हुए पैसे खर्च हो जाने पर शादीराम के हृदय पर बर्छियाँ चल जाती थी।

(ख)लाला सदानंद ने पंडित शादीराम के घर पर पुरानी मासिक पत्रिकाएँ देखीं।

(ग) शादीराम की उदारता और आचरण को देखकर सदानंद का मन भर आया।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) ii

3. (क) मोहर, (ख) पुरोहित, विवशता, (ग) अत्याचारी, भलेमानस, (घ) कोयले, हीरा, (ङ) कोलकाता, एलबम, (च) ज्यादा, काँप, (छ)पाँच सौ, (ज) पत्नी, घबराकर

4.

शादीराम ने	कुछ और ही मंजूर था।
इसी तरह से	आगे बढ़कर कहा।
भाग्य को	कई साल बीत गए।
लाला सदानंद ने	चिरंजीवी रखे।
परमात्मा आपको	ठंडी साँस भरी।

5. (क) शादीराम ने स्वयं से कहा

(ख) लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से

(ग) लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से

(घ) पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से

(ङ) लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से

6. (क) पंडित शादीराम की चिंता का कारण उनका कर्ज था।

(ख) पंडित शादीराम ने साहूकार सदानंद से कर्ज लिया था।

(ग) फोटो एलबम एक सेठ ने एक हजार में खरीदा था।

(घ) पंडित शादीराम को यह आशा न थी कि कोई उनका एलबम खरीद लेगा।

(ङ) एकाएक लाला सदानंद बेसुध हो गये तो उनकी पत्नी दूध लेने दौड़ी।

7. (क) मकान बनवाने में काफी पैसा खर्च हो गया।

(ख) शादीराम ने सदानंद से ऋण लिया था।

(ग) चंपक बच्चों की मनपसंद पत्रिका है।

(घ) चोरों ने सारा घर उलट-पुलट कर दिया।

(ङ) चित्रकार ने रूपा की बहुत अच्छी तस्वीर बनाईं।

(च) श्यामलाल पान खाने के शौकीन हैं।

(छ) बच्चों ने प्रार्थना में हिस्सा लिया।

8.

(क)	श्वास	(ख)	कर्ज
(ग)	इकट्ठा	(घ)	रोशनी
(ङ)	माह	(च)	तस्वीर
(छ)	चिट्ठी	(ज)	दिमाग

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 प्रायश्चित्त

1. (क) रामू की बहू कबरी बिल्ली से घृणा करती थी। बाद में रामू की बहु ने तय किया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली।

(ख) बिल्ली को फँसाने के लिए कटघरा लगाया गया।

(ग) घर में रखा घी-दूध चट कर जाती थी।

(घ) मिसरानी बोली, ''माँ जी, बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है, हम तो रसोई न बनाऊँगी, जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी।''

(ङ) पंचायत में सास जी, मिसरानी, किसनू की माँ, छन्नू की दादी और पंडित परमसुख बैठे।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) ii, (घ) i

3. (क) कबरी, कमर, (ख) खिसक, (ग) खबर, पड़ोस, (घ) ग्यारह, बिल्ली (ङ) पंडित, जमकर

4. (क) महरी ने रामू की माँ से कहा

(ख) रामू की माँ ने महरी से कहा

(ग) किसनू की माँ ने पंडित से कहा

(घ) पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा

(ङ) छन्नू की दादी ने रामू की माँ से कहा

5. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✗, (ङ) ✓

6. (क) कबरी बिल्ली को जब भी मौका मिलता वह घी-दूध पर जुट जाती। वह रामू की बहू से नजर बचाकर सारीचीजें चट कर जाती। जिससे रामू की बहू का खाना-पीना सब दुश्वार हो गया था। इस तरह रामू की बहू की तो जान आफत में थी और कबरी बिल्ली की मौज थी।

(ख) रामू की बहू द्वारा बिल्ली की हत्या किए जाने पर सभी लोग रामू की माँ को सिखाने में लगे थे कि बिल्ली की हत्या का पाप सिर चढ़ेगा क्योंकि बिल्ली की हत्या आदमी की हत्या करने जैसा है। इसके लिए प्रायश्चित्त तो करना पड़ेगा।

(ग) रामू की बहू द्वारा बिल्ली की हत्या किए जाने पर पंडित जी ने रामू की माँ को समझाया कि शास्त्रों में प्रायश्चित्त का विधान है।

(घ) रामू की माँ पंडित जी से प्रायश्चित्त करने का विधान पूछ रही थी तो उन्होंने काफी ज्यादा खर्च बता दिया तो रामू की माँ दुखी होकर बोली अब तो जैसा कह दोगे वैसा ही करना पड़ेगा।

7. (क) घर का सारा सामान कबरी बिल्ली खा जाती थी। रामू की बहू जो कुछ भी बनाती। नजर बचाकर कबरी बिल्ली खा जाती। दूध, घी, मलाई, खीर और भी कई चीजें बिल्ली खा जाती थी। इस कारण रामू की बहू की जान आफत में थी।

(ख) रामू की बहू ने बिल्ली की मोर्चाबंदी करने के लिए एक कटघरा मँगवाया उसमें बिल्ली को पसंद आने वाले व्यंजन रखे लेकिन बिल्ली ने उन पर निगाह तक न डाली।

(ग) रामू की बहू ने खीर बनाकर कमरे में एक ऐसे ऊँचे ताख पर रख दी जहाँ बिल्ली न पहुँच सके। कमरे में बिल्ली आई और ताख के नीचे खड़े होकर सूँघा और उसको माल अच्छा लगा। रामू की बहू के जाते ही उसने छलाँग मारी पंजा कटोरे में लगा और कटोरा फर्श पर आ गिरा और बिल्ली ने डटकर खीर खाई।

(घ) बिल्ली को मारने के लिए पाटे का प्रयोग किया गया।

(ङ) बिल्ली मारने के बाद रामू की बहू से सभी प्रश्न करने लगे। मिसरानी ने कहा कि बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या एक बराबर है। प्रायश्चित्त करना ही होगा।

(च) पंडित जी ने पंडिताइन से खाना बनाने के लिए मना किया क्योंकि पकवानों को हाथ लगाना पड़ेगा।

(छ) ग्यारह तोले की बिल्ली बनवाने की बात तय हुई।

8. (क) स्तुति, उपासना (ख) गृह, भवन

(ग) दुग्ध, पय (घ) स्वर्ण, कंचन

(ङ) पुष्प, प्रसून (च) जननी, अंबा

9. (क) शेर को देखते ही हिरन की जान आफत में आ गई।

(ख) बिल्ली के कारण रामू की बहू का खाना-पीना दुश्वार हो गया था।

(ग) प्रभात ने हाई स्कूल की परीक्षा के लिए कमर कस ली है।

(घ) बच्चों को अगर उनकी गलतियों पर ना डाँटें तो उनके हौंसले बढ़ जाते हैं।

(ङ) हम यह संपत्ति ही बेच देते हैं; इस तरह ना रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

10. (क) परमसुख, पन्ने, अक्षर, उँगलियाँ, हाथ, चेहरा, बिल्ली

(ख) और, कुछ, पर, बल, बहुत

11. (क) किनारा, (ख) एक राजा का नाम, (ग) दूसरा, (घ) भेड़ के कोमल बाल, (ङ) निश्चित

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 साँस-साँस में बाँस

1. (क) क्योंकि यह आसानी से पानी की सतह पर रखा जा सकता है।

(ख) शंकु का ऊपरी सिरा अंडाकार होता है। निचले नुकीले सिरे पर खपच्चियाँ एक-दूसरे में गुँथी हुई होती हैं।

(ग) क्योंकि इनका आकार छोटा होता है।

2. (क) ii, (ख) iii, (ग) ii

3. (क) उत्तर-पूर्वी, (ख) खूब प्रचलन, (ग) खपच्चियों, (घ) चिकना

4. (क) आमतौर पर एक से तीन साल की उम्र वाले बाँस काटते हैं। बूढ़े बाँस सख्त होते हैं और टूट भी जाते हैं। युवा बाँस मुलायम होते हैं उन्हें इतनी आसानी से काटा नहीं जा सकता है।

(ख) बाँस से बनाई जाने वाली सबसे आश्चर्यजनक चीज टोकरी होती है क्योंकि इसको बहुत सारे प्रयोगों में लाया जा सकता है।

(ग) इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीजें बनानी शुरू की बाँस की चीजें भी तभी से बन रही हैं। आवश्यकता के अनुसार इसमें बदलाव हुए हैं और अब भी हो रहे हैं।

(घ) बाँस के विभिन्न उपयोगों से संबंधित जानकारी देश के उत्तर-पूर्वी भाग के असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मेघालय के संदर्भ में दी गई हैं।

5. (क) हाथों की कलाकारी से वस्तुओं को सुंदर बनाया जाता है।

(ख) सावन के महीने में घनघोर बारिश होती है।

(ग) सर्दी के मौसम में स्वेटर-बुनाई का सफर चलता है।

(घ) दर्जी ने कपड़ा आड़ा-तिरछा काट दिया।

(ङ) खपच्चियों से डलियानुमा टोकरी बनाई जाती है।

(च) सभी विद्यार्थियों ने अध्यापक के कहे मुताबिक कार्य को पूर्ण किया।

6. (क) आवट, लिखावट, दिखावट, मिलावट
इस स्वेटर की बुनावट बहुत बारीक है।

(ख) ईला, रंगीला, चमकीला, शर्मीला
प्राचीन काल में पत्थरों के नुकीले औजार बनाए जाते थे।

(ग) आव, बहाव, बचाव, कटाव

हमें बेवजह किसी पर दबाव नहीं डालना चाहिए।

(घ) आई, लिखाई, पढ़ाई, चढ़ाई
नए मकान में फर्श की घिसाई का काम चल रहा है।

7. (क) वहाँ बाँस की अनेक चीजें बनाई जाती हैं।

(ख) हम यहाँ पर बाँस से बनी कुछ चीजों के बारे में ही बता पाए हैं।

(ग) उदाहरण के लिए आसन जैसी छोटी चीजों को बनाने के लिए बाँस को हरेक गठान से काटा जाता है।

(घ) खपच्चियों से विभिन्न प्रकार की टोपियाँ बनाई जाती हैं।

8. (क) बड़ी, (ख) विक्रय, (ग) अंत, (घ) बुरा, (ङ) पतन

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 क्या निराश हुआ जाए?

1. (क) समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार ही भरे रहते हैं।

(ख) जो कुछ नहीं करते।

(ग) क्योंकि पहली बस खराब हो गई थी।

(घ) हाँ, वर्तमान समय में लोगों में धन-संग्रह की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला है।

2. (क) पत्नी, (ख) हिसाब, (ग) संग्रह, (घ) रहेगा

3. (क) ऊँचे पद पर बैठे लोग अपने कर्त्तव्य के प्रति ईमानदार होते तो सभी कार्य व्यवस्थित रूप से बिना किसी परेशानी के समय से होते।

(ख) हमारा देश विवेकानंद और रामतीर्थ जैसे संतों के सपनों का देश होता तो देश में स्वराज्य होता और देश में किसी प्रकार का कष्ट और अभाव नहीं होता।

(ग) कंडक्टर जाकर वापस ही नहीं आया तो लोगों का डर यकीन में बदल जाता और वे ड्राइवर को भी मार सकते थे।

4. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓

5. (क) इंकलाब जिंदाबाद

(ख) आराम हराम है।

(ग) करो या मरो।

6. (क) वर्तमान में ईमानदार और सीधे-सादे लोगा पिस रहे हैं।

(ख) लेखक ने टिकट बाबू को सौ रुपये का नोट दिया था।

(ग) पानी व दूध कंडक्टर लेकर आया था।

(घ) स्वयं कीजिए।

7. (क) प्रतिभाशाली, (ख) बलशाली, (ग) गौरवशाली, (घ) वैभवशाली

8. (क) बेईमान, (ख) गुण, (ग) आसान, (घ) अपवित्र

9. (क) मनुष्य, (ख) कृषि, (ग) सुंदर, (घ) देशभक्त

10. भीष्म के बचपन का नाम देवव्रत था। ये हस्तिनापुर के राजा शांतनु और गंगा के पुत्र थे। ये शस्त्र-शास्त्र दोनों में निपुण थे। महाभारत के युद्ध में भीष्म कौरवों की तरफ थे।

11. (क) मोच, (ख) वैसा, (ग) पटना, (घ) छुआ

12. (क) नीता या गीता ने पत्र लिखा।

(ख) पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे।

(ग) एक किताब का मूल्य सिर्फ पच्चीस रुपये है।

(घ) सुनीता और रीता कल दिल्ली गई थीं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 ऐसे-ऐसे

1. (क) मोहन आठ-नौ वर्ष का है।

(ख) मोहन तीसरी कक्षा में पढ़ता है।

(ग) मोहन के पिता डॉक्टर को दस का नोट देते हैं।

2. (क) iii , (ख) ii, (ग) iii

3. (क) माँ ने पिताजी से कहा

(ख) पिताजी ने माँ से कहा

(ग) वैद्य जी ने पिताजी से कहा

(घ) डाक्टर ने माँ से कहा

(ङ) मास्टर जी ने माँ से कहा

4. इस स्थिति में मोहन को डॉक्टर और वैद्य द्वारा दी गई दवाई खानी होती और आराम करना होता। उसका बाहर खेलने जाना भी कुछ दिन के लिए बंद हो जाता। यही इस नाटक का अंत होता।

5. (क) माँ मोहन के ऐसे-ऐसे कहने पर इसलिए घबरा रही थी क्योंकि मोहन हाथ से बताता है उँगलियाँ भींचता है। तो माँ को लगता है कोई भयानक बीमारी हुई है।

(ख) पेट दर्द, कान में दर्द, स्कूल का कार्य पूरा ना होना, लाइट ना आना, मेहमानों का आ जाना, हाथ में दर्द होना, सिर में दर्द होना आदि ऐसे बहाने होते हें, जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं।

(ग) यदि मोहन के पेट में सचमुच ही दर्द होता, तब कोई भी उसकी बात पर विश्वास नहीं करता क्योंकि मोहन ने पेट में ऐसे-ऐसे होने की असली वजह नहीं बताई कि उसने स्कूल का कार्य पूर्ण नहीं किया है। इससे मोहन के पेट का दर्द बढ़ता ही रहता और वह बड़ी मुसीबत में फँस जाता।

6. (क) बताना : शिवम ने कपड़े अलमारी में रखे

(ख) मना करना : शिवम ने कपड़े अलमारी में नहीं रखे।

(ग) पूछना : शिवम ने कपड़े कहाँ रखे?

(घ) आदेश देना : शिवम कपड़े अलमारी में रख दो।

7.

(क)	कार्यालय	(ख)	आनंद
(ग)	उजाला	(घ)	चिकित्सक
(ङ)	अधिक	(च)	पीड़ा
(छ)	रोग	(ज)	पीठ
(झ)	विद्यालय	(ञ)	भय

8.

(क)	अच्छा	(ख)	काला
(ग)	जाना	(घ)	शांत
(ङ)	मूर्ख	(च)	ठंडा
(छ)	लेना	(ज)	पुरानी
(झ)	झूठ	(ञ)	सवाल

9. (क) रमेश स्कूल से तो भला-चंगा आया था।

(ख) राक्षस ने जोर से अट्टाहस किया।

(ग) छुट्टी के दिन बच्चे सारा दिन धमा-चौकड़ी करते हैं।

(घ) पढ़ते-पढ़ते सुरेश को सहसा नींद आ गई।

(ङ) दूसरों के गलत व्यवहार से मुझे बहुत तकलीफ़ होती है।

(च) बौद्ध ने दवाई की पुड़िया दे दी।

(छ) डॉक्टर ने नब्ज देखकर बीमारी का पता बताया।

10. (क) बेचारा (ख) डॉक्टर

(ग) तीमारी (घ) उँगलियाँ

(ङ) तबीयत (च) खुराक

(छ) वैद्य (ज) अट्टहास

11. (क) iii, (ख) iii, (ग) i, (घ) ii

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 विद्यादान

1. (क) विद्या के दान को विद्यादान कहते हैं।

(ख) ईश्वरचंद विद्यासागर का जन्म बंगाल में मेदिनीपुर जिले के वीरसिंह गाँव में हुआ था।

(ग) बालक ने ईश्वरचंद विद्यासागर से भीख माँगी।

(घ) स्वयं कीजिए।

(ङ) ईश्वरचंद विद्यासागर जी ने बालक को एक रुपया दिया और उसे मेहनत करने को प्रोत्साहित किया।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) ii, (घ) iii, (ङ) i

3. (क) बालक ने, ईश्वरचंद विद्यासागर से, (ख) ईश्वरचंद विद्यासागर ने, बालक से, (ग) बालक ने, ईश्वरचंद विद्यासागर से, (घ) बालक ने, ईश्वरचंद विद्यासागर से, (ङ) ईश्वरचंद विद्यासागर ने, बालक से, (च) बालक ने, ईश्वरचंद विद्यासागर से

4. (क) ईश्वरचंद जब बाजार जा रहे थे तब उन्हें एक बालक भीख माँगता हुआ मिला।

(ख) ईश्वरचंद ने बालक को एक रुपया दिया।

(ग) बालक ने पैसे लेकर कभी भीख न माँगने का निश्चय किया।

(घ) युवक ने ईश्वरचंद विद्यासागर के चरण छूते हुए कहा, ''मैं वही बालक हूँ, जिसे आपने रुपया देकर परिश्रम करने की शिक्षा दी थी। मैंने तभी से भीख न माँगने का निश्चय किया और आज जो भी हूँ, वह केवल आपकी दया से हूँ।

(ङ) ईश्वरचंद विद्यासागर ने युवक से परिश्रम करने के लिए कहा।

(च) ईश्वरचंद केवल दयालु ही नहीं थे, वे लड़कियों की शिक्षा के लिए भी पक्षधर थे। अत: उसी के प्रचार के लिए गली-गली, मुहल्ले-मुहल्ले घूमते और विद्यालय के लिए दान एकत्रित करते थे।

(छ) ईश्वरचंद चाहते थे कि पुस्तकें ऐसी सरल और रुचिकर हों कि कठिन-से-कठिन विषय को भी बच्चे चाव से पढ़ें। यही सोचकर उन्होंने सारी रात बैठकर सरल भाषा में संस्कृत व्याकरण की पुस्तक लिखी।

(ज) आज ईश्वरचंद विद्यासागर का स्वप्न साकार हो रहा है। उनके द्वारा सिखाए रास्ते पर चलकर हमारे देश की लड़कियाँ अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रही हैं।

5. मरण, अप्रसन्नता, अशिक्षा, अपवित्र, अपमान, निराकार

6. (क) भिखारी, (ख) दाता, (ग) दयालु, (घ) विद्यार्थी, (ङ) वार्षिक

7. (क) लड़कियाँ, (ख) बालकों, (ग) नौकरियाँ, (घ) पुस्तकें, (ङ) गली, (च) मुहल्ला

8. (क) जो पैसे दूँगा, उसका क्या लोगे?

(ख) बालक का मन प्रसन्नता से भर गया।

(ग) ''अरे बाबू, पहचाना नहीं मुझे?''

(घ) तुम्हें यहाँ आने में देर क्यों हुई?

(ङ) वे किसी की पीड़ा नहीं देख सकते थे।

(च) उन्होंने लड़कियों के लिए विद्यालय खुलवाए।

(छ) ''शाबाश! मुझे यही उम्मीद थी।''

9. (ख) गँवाओं, (ग) जाओ, (घ) पढ़ाओ, (ङ) खेलों, (च) गाओ

10. (क) इस महीने की तनख्वाह आपको भी मिलेगी।

(ख) सभी ने अध्यक्ष महोदय से भाषण देने का आग्रह किया।

(ग) जीवन में सबसे बड़ी पूँजी शिक्षा है।

(घ) परिश्रम करने वालों को सफलता अवश्य मिलती है।

(ङ) भारतीय किसान बहुत परिश्रम करता है।

(च) मंदिर के बाहर बहुत से भिखारी बैठे रहते हैं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 अक्षरों का महत्त्व

1. (क) हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है।

(ख) लगभग पाँच लाख साल पहले आदमी का जन्म धरती पर हुआ।

(ग) सर्वप्रथम आदमी ने पत्थर के औजार बनाए।

2. (क) ii, (ख) ii, (ग) i, (घ) i

3. (क) अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई है। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जब से लिखना शुरू किया तब से 'इतिहास' आरंभ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब शुरू होता है जबसे आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं।

(ख) अक्षरों की खोज के सिलसिले को शुरू हुए मुश्किल से छ हजार साल हुए हैं। प्रागैतिहासिक काल में मानव पहले चित्रों के जरिए अपने भाव व्यक्त करता था। चित्र संकेतों के बाद भाव-संकेत अस्तित्व में आए तब जाकर काफी बाद में आदमी ने अक्षरों की खोज की।

(ग) अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए चित्रों का सहारा लेता था।

(घ) अक्षरों के महत्त्व की तरह ध्वनि का भी हमारे लिए अत्यन्त महत्त्व है। ध्वनि के द्वारा ही हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं और दूसरों के विचारों को समझते हैं। ध्वनि हमें विविध प्रकार के विचारों की तीक्ष्णता और गहराई को समझाती है। ध्वनि के अभाव में अपने विचारों को व्यक्त करना लगभग असंभव हो जाता है।

4.

	मूलशब्द	**उपसर्ग**
(क)	सफल	अ
(ख)	दृश्य	अ

(ग) उचित अनु
(घ) आवश्यक अन
(ङ) न्याय अ
(च) भिन्न अ

5. (क) गाड़ी में छह लीटर पेट्रोल डाल दीजिए।
(ख) मुझे दो किलो आम लेने हैं।
(ग) सूट के लिए तीन मीटर कपड़ा दे दो।
(घ) एक कटोरी खीर दे दो।
(ङ) ट्रक में भरी रेत एक एकड़ जमीन के लिए पर्याप्त है।

6. (क) किताब (ख) जगत
(ग) प्रतिदिन (घ) अखबार
(ङ) राष्ट्र (च) वर्ष

7. (क) नए (ख) मरण
(ग) एक (घ) अंत
(ङ) असभ्य (च) अज्ञान

8. (क) दुनिया में अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं।
(ख) लता मंगेश्कर करोड़ों दिलों पर राज करती हैं।
(ग) ईश्वर संपूर्ण जगत में विद्यमान है।
(घ) प्राचीनकाल में पत्थरों के औजार बनाए जाते थे।
(ङ) अक्षर-ज्ञान के कारण ही इतिहास का अस्तित्व मौजूद है।
(च) कृषि की खोज नवपाषाण काल में हुई थी।

9. (क) अक्षर (ख) तादाद
(ग) कल्पना (घ) अस्तित्व
(ङ) वनस्पति (च) लिपि

10. (क) i, (ख) iii, (ग) i

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 मीरा के पद

1. (क) मीरा को राम रत्न मिल गया है, उसका कोई मूल्य नहीं है। वह अमूल्य है।
(ख) मीरा को यह अमूल्य वस्तु सतगुरु ने दी।
(ग) राम का नाम।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) ii, (घ) iii

3. (क) पूँजी, (ख) नाव, सतगुरु (ग) कुसंग, सुनि, (घ) खारी, काँची, (ङ) भगति

4. (क) मीरा कहती है कि मेरे सतगुरु ने मुझे बहुत ही अमूल्य वस्तु दी है।
(ख) मेरे सतगुरु ने मुझे ऐसी अमूल्य वस्तु दी है जो न कभी खर्च होगी और न ही कोई चोर चुरा सकता है।
(ग) काम, क्रोध, अभिमान और लोभ, मोहमाया को मैंने अपने चित्त से निकाल दिया है।
(घ) संपूर्ण शृंगार करके, पैरों में घुँघरू बाँधकर मीरा लोक-लाज त्याग कर नाची। वह इस रूप में नृत्य किया करती थी।
(ङ) मीरा को अपने प्रभु गिरिधर लाल की भक्ति ही संपूर्ण संसार में याचना के योग्य लगती है।

5. (क) मीरा ने भवसागर इस संसार को कहा है।
(ख) मीरा को भगवान बिना सब संसार झूठा लगता है।
(ग) मीरा एक भक्त के रूप में नाची थी।
(घ) मीरा राम नाम का रस पीने को कह रही हैं।

6. (क) अमूल्य (ख) पाना
(ग) खोना (घ) जन्म
(ङ) बढ़ती है (च) कृपा
(छ) मन (ज) सत्य

7. (क) राम रूपी रत्न (ख) प्रत्येक जन्म
(ग) प्रत्येक दिन (घ) हर्ष-हर्ष कर
(ङ) राम का नाम (च) लोक की लाज

8. (क) शिक्षक, अध्यापक, आचार्य
(ख) पूँजी, संपदा, धन
(ग) हृदय, अंतर्मन, मनुआ
(घ) संत, संयासी, वैरागी
(ङ) मोहन, मुरारी, कान्हा

9. (क) अ - मूल्य (ख) सत् - गुरु
(ग) कु - संग (घ) सु-मति

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 मेरी माँ

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) ii, (घ) i

3. (क) अशिक्षित, सदृश, (ख) परिश्रम, देवनागरी, (ग) अपेक्षा, उदार, (घ) प्राणदंड, (ङ) जीवन, प्रोत्साहन, (च) प्रेमभरी, सांत्वना, (छ) श्रद्धापूर्वक

4.

गृह-कार्य की शिक्षा	दादी जी की छोटी बहन
सखी-सहेली की	अक्षर-बोध करतीं
देवनागरी की	पुस्तकों का अवलोकन करतीं
जन्मदात्री	जननी
प्रेमभरी	वाणी

5. (क) बिस्मिल की माता जी का विवाह ग्यारह वर्ष की उम्र में शाहजहाँपुर में हुआ था।
(ख) माता जी को गृह कार्य की शिक्षा देने के लिए दादी जी ने अपनी छोटी बहन को बुलवाया था।
(ग) बिस्मिल की माता जी ने अपने मुहल्ले की सखी-सहेली से अक्षर-बोध सीखा। परिश्रम के फल से थोड़े दिनों में ही वे देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं।
(घ) बिस्मिल की माता जी ने उन्हें आदेश दिया कि अपने शत्रु को कभी प्राणदंड मत देना।
(ङ) बिस्मिल की माती जी ने उन्हें देश सेवा, धार्मिक जीवन के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी आत्मिक तथा सामाजिक उन्नति में भी सदैव सहायक रहीं।
(च) गुरु गोविंदसिंह की धर्मपत्नी ने गुरु के नाम पर धर्म-रक्षार्थ अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाइयाँ बाँटी थीं।
(छ) रामप्रसाद बिस्मिल ने ईश्वर से इस इच्छापूर्ति की कामना की कि जन्म-जन्मांतर ऐसी ही माता जी दें।

6. (क) गाँव में अधिकतर लोग अशिक्षित होते हैं।
(ख) ग्रामीण काम की तलाश में शहर की तरफ आ रहे हैं।
(ग) शादी में खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होता है।
(घ) स्वामी जी ने शिष्य से वार्तालाप प्रारंभ किया।
(ङ) अनेक क्रांतिकारियों ने देश के लिए अपना सर्वस्व त्याग दिया।
(च) सिपाहियों को मैदान का चक्कर लगाने का आदेश दिया गया।

7. परिश्रम, वार्तालाप, क्रांतिकारी, धृष्टतापूर्ण

8. (क) शिक्षित (ख) मरण
(ग) बड़ी (घ) असामाजिक
(ङ) अनुदार (च) श्रेष्ठ
(छ) अपूर्ति (ज) अंत
(झ) अमंगल (ञ) अवनति

9. (क) वे लोग बाज़ार गए हैं।
(ख) ये सभी वस्तुएँ ले जाओ।
(ग) लिखते-लिखते उसे ध्यान आया।
(घ) इस विषय में मैं अपना मत पहले ही बता चुका हूँ।
(ङ) बस तुम ही मेरे सच्चे शिष्य हो।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 पेड़ की बात

1. (क) मिट्टी के नीचे बहुत दिनों तक बीज पड़े रहे।
(ख) गाछ का अंकुर निकलने पर जो अंश माटी के भीतर प्रवेश करता है, उसका नाम जड़ है।
(ग) मूली सर्दी के मौसम में आती है।
(घ) गाछ-बिरछ जड़ के द्वारा मिट्टी से रसपान करते हैं।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) ii, (घ) iii

3. (क) मिट्टी, रसपान, (ख) पानी, (ग) भीतर, (घ) प्रकट, ऊर्जा, (ङ) अनाज, सब्जी, (च) संचय, (छ) अकस्मात्

4.

जड़	भी दाँत नहीं होते।
तना	जो अंश माटी के अंदर होता है।
गाछ-बिरछ के	जीवन का मूल-मंत्र है।
खुर्दबीन से	जो अंश ऊपर की ओर बढ़ता है।
प्रकाश ही	अत्यंत सूक्ष्म पदार्थ देखे जाते हैं।

5. (क) पौधे को परीक्षण करने के लिए गमले में औंधा लटकाया गया। परिणामस्वरूप उसकी पत्तियाँ और डालियाँ टेढ़ी होकर ऊपर की तरफ उठ आईं तथा जड़ घूमकर नीचे की ओर लटक गई।
(ख) खुर्दबीन से अत्यंत सूक्ष्म पदार्थ स्पष्टतया देखे जा सकते हैं।
(ग) अंगारक वायु— जब हम श्वास लेते हैं और उसे बाहर निकालते हैं तो एक बार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है उसे 'अंगारक वायु' कहते हैं। यदि यह जहरीली हवा पृथ्वी पर इकट्ठी होती रहे तो तमाम जीव-जंतु कुछ ही दिनों में उसका सेवन करके नष्ट हो सकते हैं।
(घ) गाछ-बिरछ की यह कोशिश रहती है कि किसी तरह उन्हें थोड़ा-सा प्रकाश मिल जाए।
(ङ) मधुमक्खी और तितली के साथ बिरछ की चिरकाल से घनिष्ठता है। वे दल-बल सहित फूल देखने आती है। कुछ पतंगें दिन के समय पक्षियों के डर से बाहर नहीं निकल सकते इसलिए रात के अँधेरे घिरने तक वे छिपे रहते हैं। शाम होते ही उन्हें बुलाने की खातिर फूल चारों तरफ सुगंध-ही-सुगंध फैला देते हैं।
(च) बीज को पकाने में मधुमक्खी का बहुत योगदान है। मधुमक्खियाँ एक फूल के पराग-कण दूसरे फूल पर ले जाती हैं। पराग-कण के बिना बीज पक नहीं सकता।
(छ) अपने शरीर का रस पिलाकर बिरछ बीजों का पोषण करता है। अब अपनी जिंदगी के लिए उसे मोह-माया का लोभ नहीं है। तिल-तिल संतान की खातिर सब कुछ लुटा देता है।

6. (क) बारिश बरसात वर्षण
(ख) बालक लड़का बच्चा
(ग) विटप पेड़ तरु
(घ) देह काया तन

7. (क) अंदर (ख) कमजोर
(ग) मृदु (घ) अँधेरा
(ङ) ऊपर (च) अनेक
(छ) सीधी (ज) खोकर

8. (क) राजकुमार ने अपने सुकोमल शरीर पर धनुष बाण धारण किया था।
(ख) अंकुर का एक अंश नीचे माटी में गड़ गया।
(ग) फलों से लदी डालियाँ झुक गई हैं।
(घ) खुर्दबीन से अनेक सूक्ष्म पदार्थ देखे जा सकते हैं।
(ङ) आसमान में अनगिनत तारे होते हैं।
(च) स्वास्थ्य के लिए बासी भोजन विषाक्त होता है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 शिष्टाचार

1. (क) युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव।
(ख) जब कौरवदल ने युधिष्ठिर को अपने सेनापति भीष्म की ओर आते देखा तो उन्हें लगा कि पांडव उनसे डर गए हैं और उनमें हर्ष की लहर दौड़ गई।
(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) ii, (ख) iii, (ग) i, (घ) iii

3. (क) हस्तिनापुर के साम्राज्य में पांडवों का कौरवों के ही बराबर हिस्सा था किंतु दुर्योधन उनका हिस्सा हड़पना चाहता था इसलिए उसने निर्णय लिया कि वह उनको जरा भी हिस्सा नहीं देगा।
(ख) कौरवों से विनम्रतापूर्वक अपने हिस्से की माँग करने पर भी कौरवों ने इंकार कर दिया इस स्थिति में पांडवों को न चाहते हुए भी अपने बंधु-बाधवों से युद्ध करने का निर्णय लेना पड़ा।

4. (क) शंखनाद, प्रतीक्षा, (ख) युद्ध, (ग) विनम्रतापूर्ण, गद्गद, (घ) युधिष्ठिर, पश्चात्, (ङ) अनुमति

5. (क) पांडवों, (ख) अर्जुन, (ग) कौरवों

6. (क) श्रीकृष्ण धृतराष्ट्र के दरबार में पांडवों के दूत बनकर गए।
(ख) युधिष्ठिर को अचानक कौरव-सेना की ओर आते देखकर दुर्योधन ने समझा कि युधिष्ठिर कौरवों की विशाल सेना देखकर डर गए हैं।

(ग) युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से निवेदन किया कि हम युद्ध नहीं करना चाहते। दुर्योधन के अन्यायपूर्ण व्यवहार ने हमें आपसे और कौरव सेना से युद्ध करने के लिए विवश किया है।

(घ) आचार्य द्रोणाचार्य ने युद्ध भूमि से युधिष्ठिर से कहा कि मुझे युद्ध में पराजित करना संभव नहीं है किंतु मेरी यह दुर्बलता है कि युद्ध के दौरान यदि किसी विश्वसनीय व्यक्ति से मेरे हृदय को आघात पहुँचे तो मैं अस्त्र-शस्त्र रख सकता हूँ और उस स्थिति में मेरा वध हो सकता है।

(ङ) युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह और आचार्य द्रोण, कुलगुरु कृपाचार्य और मामा शल्य से आशीर्वाद प्राप्त किया क्योंकि वे सभी उनके बड़े थे।

7. (क) कचहरी में अपना पक्ष स्पष्ट करें।

(ख) महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बनें।

(ग) डाकुओं ने अचानक ही गाँव पर हमला कर दिया।

(घ) सुरेश अपने परीक्षाफल के लिए बहुत चिंतित है।

(ङ) युधिष्ठिर को धर्मराज भी कहा जाता था।

8. (क) संवाद पहुँचाने वाला (ख) संग्राम

(ग) इंतजार (घ) परेशान

(ङ) आनंद (च) नमस्कार

(छ) आज्ञा (ज) गुजारा करना

9. (क) शिष्ट (ख) कुरुक्षेत्र

(ग) आचरण (घ) भीष्म

(ङ) द्रोण (च) दुर्योधन

(छ) धर्मराज (ज) अग्रज

(झ) प्रणाम (ञ) धृतराष्ट्र

10. (क) अपादान कारक (ख) संबंध कारक

(ग) संबंध कारक (घ) संबंध कारक

(ङ) अधिकरण कारक (च) करण कारक

11. (क) र् + आ + ज् + अ + द् + अ + र् + अ + ब् + आ + र् + अ

(ख) क् + ऋ + प् + आ + च् + आ + र् + य् + अ

(ग) स् + आ + र् + अ + थ् + ई

(घ) क् + उ + र + उ + क् + ष + ए + त् + र् + अ

12. (क) उपकार (ख) चिर्काल

(ग) नीरोग (घ) आकार

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 जलाओ दीये

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) ii, (घ) i

3. (क) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने यह भाव स्पष्ट किया है कि धरती पर इतने दीये जलाओ कि पूरी पृथ्वी का अंधकार मिट जाए अर्थात् धरती मानवता, सहिष्णुता, एकता, सामाजिकता रूपी दीये जलाओ जिससे पूरी पृथ्वी एकता के सूत्र में जगमगा उठे।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने स्पष्ट किया है कि बुराई, झूठ, नफरत, जैसे दुर्गुणों से मुक्ति का एक द्वार खुल जाए कि सुबह कभी जाना पाए और निराशा का अँधेरा कभी न होने पाए। दुख और नाउम्मीद रात्रि कभी न आने पाए।

4. (क) प्रस्तुत कविता दीवाली के त्योहार से संबंधित है।

(ख) कवि बुराई, झूठ, नफरत जैसे दुर्गुणों से मुक्ति की बात कर रहा है।

(ग) कवि आशा, प्रेम, सच्चाई, अहिंसा और एकता के दीये जलाने का संदेश दे रहा है।

(घ) जब तक प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के खून का प्यासा बना रहेगा और सर्वनाश का खेल चलता रहेगा तो मनुष्यता कभी पूर्ण नहीं हो सकती।

(ङ) नहीं सिर्फ दीपक की रोशनी से अँधेरा दूर नहीं हो सकता।

(च) कवि के अनुसार अँधेरा दूर करने के लिए विश्व के प्रत्येक द्वार पर उदासी दूर करना आवश्यक है। सभी व्यक्तियों में आपसी भाई चारा होना परमावश्यक है।

(छ) इस कविता के द्वारा हमें कवि आपसी भाई चारे, एकता और आशा के प्रकाश को देखने का संदेश देता है।

5. (क) दीपक (ख) अंधकार

(ग) मृदा (घ) आकाश

(ङ) भरा हुआ (च) नष्ट

(छ) मनुष्यता (ज) संसार

6. (क) उजाला (ख) पुरानी

(ग) बंधन (घ) संपूर्ण

7. (क) ईश्वरीय (ख) मनुष्यत्व

(ग) हिम्मती (घ) धरातलीय

(ङ) परिश्रमी (च) शांत

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-19 लोकगीत

1. (क) जगनिक चंदेल राजाओं के राजकवि थे।

(ख) जगनिक ने आल्हा ऊदल की वीरता का बखान किया।

(ग) कजरी सावन में गाई जाती है।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) i

3. (क) गाँवों, (ख) ताजगी, लोकप्रियता, शास्त्रीय, (ग) कल्पना, रोजमर्रा, (घ) बिदेसिया, लोकप्रिय, (ङ) बिरहा

4. (क) लोकगीतों के पक्ष–

इनमें लोच, ताजगी, लोकप्रियता है।

ये आदिवासियों और पहाड़ियों के प्रचलित गीत हैं। इनकी भाषा मुख्य रूप से गाँवों और इलाकों की बोलियाँ हैं। इनको समूह में गाया जाता है। इन गीतों का संबंध मुख्य रूप से स्त्रियों से है। इन गीतों को स्त्रियाँ मुख्य रूप से ढोलक की मदद से गाती हैं।

इन गीतों को विभिन्न अवसरों एवं त्योहारों पर गाया जाता है।

(ख) स्त्रियों के प्रमुख गीत हैं– गरबा, रासिया, कजरी।

(ग) स्वयं कीजिए।

(घ) स्वयं कीजिए।

(ङ) स्वयं कीजिए।

5. (क) उपवन में जाते ही मन को कल्पना के पंख लग गए।

(ख) विवाह के समय गाए जाने वाले लोकगीत आनंददायक होते हैं।

(ग) परमात्मा की शक्तियाँ अनंत हैं।

(घ) गांधी जी एक लोकप्रिय नेता हैं।
(ङ) रामू के पास डाक-टिकटों का अच्छा संग्रह है।

6. (क) बाँसुरी (ख) ओराँव
(ग) संग्रह (घ) सारंग
(ङ) संबंध (च) संसार
(छ) झाँझ (ज) गाँव

7. (क) शास्त्र + ईय (ख) रच + इता
(ग) अधिक + तर (घ) सफल + ता
(ङ) प्रकाश + इत (च) उल्लास + इत
(छ) वास्तव + इक (ज) दल + ईय

8. (क) महिला (ख) पर्वत
(ग) सम्राट (घ) वन

9. (क) बासी (ख) अलोकप्रिय
(ग) अपेक्षा (घ) सवाल
(ङ) अवास्तविक (च) असफलता
(छ) अंत (ज) नवीन

10. (क) पुरुष (ख) प्रेमिका
(ग) रानी (घ) कवयित्री
(ङ) नर्तकी (च) गायिका

11. (क) लोकप्रिय (ख) बाँसुरी
(ग) शास्त्रीय (घ) संग्रह
(ङ) प्रकाशित (च) राजस्थानी
(छ) ऋतु (ज) गुजरात

12. मन: + ताप राज + ऋषि
हर + ईश कवि + इंद्र
सम् + कल्प

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

BOOK-7

पाठ-1 जागो जीवन के प्रभात!

1. (क) कवि ने प्रात: काल धरती पर फैले हिमकनों को आँसू कहा है।
(ख) पूरब की ओर से चलने वाली हवा।
(ग) पानी की बूँदें हिमकन रूपी आँसू की तरह गिरती हैं।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) i

3. (क) तम नयनों की ताराएँ सब
मुँद रही किरण दल में हैं अब
चल रहा सुखद यह मलय-वात
अब जागो जीवन के प्रभात!
(ख) रजनी की जाल समेटो तो
कलरव से उठकर भेंटो तो
अरुणाचल में चल रही बात
अब जागो जीवन के प्रभात!

4. (क) प्रस्तुत कविता में कवि ने स्पष्ट किया है कि अपने जीवन की नई सुबह का आरंभ करो और अब अज्ञानता रूपी अंधकार को छोड़कर जाग जाओ। पृथ्वी पर ओस की तरह से चमको और प्रगति का मार्ग अपनाओ दु:ख और अफसोस से भरे हुए ओस की बूँदों के समान आँसुओं को समाप्त करो। सुबह के समय चारों ओर सूर्य की किरणें फैली हुई हैं। इसलिए उठकर नए रास्ते का निर्माण करो।
(ख) 'मलय वात' का अर्थ है-पर्वत की ओर से आने वाली हवा।
(ग) पक्षियों का 'कलरव' (चहचहाना) हमें उनकी प्रसन्नता को इंगित करता है।

5. पशुओं को चराने ले जाता है। मंदिर में पूजा करता है।
कलरव करते हैं। विद्यालय जाते हैं।
फूलों पर मँडराती हैं।

6. भागो, भरे, हम, दुखद, भेंटो

7. (क) शत्रु सेना के अनेक दलों ने एक साथ आक्रमण किया।
(ख) सारा आसमान तारों से भरा पड़ा है।
(ग) माता जी की आँखों में आँसू आ गए।
(घ) पहाड़ों से गिरते झरनों का स्वर मन को मोह रहा था।

8. सुबह, भोर धरती, भूमि
अँधेरा, अंधकार रात, रात्रि

9. दुखद, मरण, प्रकाश, संध्या

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 फूल का मूल्य

1. (क) शीतकाल।
(ख) उसने सोचा, 'राजा जी को आज पुष्प प्रदान करूँगा। पुष्पों के प्रेमी राजा जी आज अकाल में खिले इस कमल के फूल को पाकर मुँहमाँगा मूल्य प्रदान करेंगे।'
(ग) कमल का फूल।
(घ) राजमहल में।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii

3. (क) प्रचंड, पुष्प; (ख) आनंद; (ग) वाह्य प्रांतर; (घ) विषण्ण; (ङ) विस्मय-भरे नयनों; (च) उज्ज्वल ललाट, प्रभा

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓; (ङ) ✓; (च) ✗

5. (क) सुदास ने राजपथ के पुरुष से; (ख) राजा ने खुद से; (ग) सुदास ने राजा से; (घ) सुदास ने राजा से; (ङ) भगवान बुद्ध ने सुदास से

6.

शीतकालीन	सुवर्ण
सूखे	वाणी
सहस्रदल	स्वर
माशा	दिन
स्मितापूर्ण	पुष्प
गद्‌गद्	कमल-फूल

7. (क) राजा जी को माथा नवाकर वह सज्जन बोल उठा, ''सुदास, मेरे बीस माशे।'' राजा जी का चेहरा कुछ उतर गया। उनका हृदय कुछ विषण हो गया। इतने में वह सज्जन बोला, ''महाराजा आप और मैं

आज भगवान बुद्ध के दर्शन के लिए निकले हैं, इस पुष्प के लिए आज आप और मैं राजा और प्रजा के रूप में नहीं खड़े हैं, बल्कि दो भक्तों के रूप में उपस्थित हैं। बुरा न मानिएगा राजन्, आज हम भक्ति के प्रवाह में दुनियादारी की मर्यादा नहीं मानना चाहते।''

स्मितपूर्ण वाणी में राजा ने कहा, ''हे भक्तजन! मैं राजी हूँ, प्रसन्नतापूर्वक माँग प्रस्तुत करो, तुमने बीस माशे कहा है, तो मेरे चालीस।''

(ख) सुदास ने किसी को भी अपना फूल इसलिए नहीं बेचा क्योंकि राजा और वह सज्जन व्यक्ति जिस फूल को मुँह माँगी कीमत पर खरीद कर उसका पुण्य कमाना चाहते थे। वह पुण्य लाभ लेने का विचार सुदास के स्वयं के हृदय में उपजा और वह बिना फूल बेचे वहाँ से चला गया और भगवान बुद्ध को समर्पित कर दिया।

(ग) वट-वृक्ष की छाया में पद्मासन लगाकर भगवान बुद्ध विराजमान थे। उज्ज्वल ललाट, मुख पर आनंद की प्रभा, ओंठों से सुधा झर रही थी और नयनों से अमृत टपक रहा था। मेघों-सी धीर-गंभीर ध्वनि इस तपस्वी के मुख से निकल रही थी। सुदास स्तब्ध होकर खड़ा रहा।

(घ) भूमि पर झुककर सुदास ने इस परम तपस्वी के चरणों के आगे कमल-फूल चढ़ा दिया। वट-वृक्ष के सघन शाखाओं में से पंछी बोल उठे। पवन की लहर आई। कमल की पंखुड़ियाँ हिल-मिलकर मानो हँस उठी हों। सुदास के शकुन सफल हो गए।

(ङ) एकाकी खड़ा हुआ वह विचारों में विलीन हुआ जा रहा था, 'जिस भगवान बुद्ध के लिए ये भक्त लोग इतना द्रव्य खर्च करने को तैयार हैं, वह पुरुष स्वयं कितना धनवान होगा? कितना महामना होगा? उसी के चरणों में यह पुष्प अर्पित कर दूँ तो मुझे न जाने कितना द्रव्य मिलेगा?'

(च) वट-वृक्ष की छाया में पद्मासन लगाकर भगवान बुद्ध विराजमान थे। उज्ज्वल ललाट, मुख पर आनंद की प्रभा, ओंठों से सुधा झर रही थी और नयनों से अमृत टपक रहा था। मेघों-सी धीर-गंभीर ध्वनि इस तपस्वी के मुख से निकल रही थी।

(छ) भगवान बुद्ध को फूल समर्पित करने के बाद सुदास इतना भाव-विभोर हो गया और शांति व संतुष्टि से भर गया कि उसे किसी चीज था। इच्छा की कोई लालसा न रहो। इसी कारण उसने ये शब्द कहे।

8. (क) मुझे शीतकाल का समय बहुत पसंद है।
(ख) गुलाब का फूल बहुत सुंदर होता है।
(ग) कोयल ने गाना गाया।
(घ) भगवान शिव ने भक्त को दर्शन दिए।
(ङ) राजा ने दरबारी को महल में बुलाया।
(च) मीरा ने बहुत भक्ति की थी।
(छ) माली ने पौधों में पानी डाला।

9. उष्ण, काँटा, खरीदना, निराशा, इधर, रंक, शोक, अमूल्य, दुर्जन

10. (क) सुमन, कुसुम, पुष्प; (ख) पंकज, जलज, राजीव, (ग) नृप, नरेश, भूप; (घ) जलाशय, तालाब, ताल; (ङ) परमात्मा, प्रभु, ईश्वर

11. माननीय, स्वर्गीय, सहारा, लकड़हारा; सब्जीवाला, कबाड़ीवाला; दैनिक, सामाजिक

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 गुरु नानकदेव (जीवनी)

1. (क) पाकिस्तान में लाहौर में कोई बीस किलोमीटर दूर रावी नदी के दाएँ किनारे एक गाँव है—तलवंडी, जो अब ननकाना साहब के नाम से प्रसिद्ध है।
(ख) नानक को काजी के पास पढ़ने बैठा दिया गया।
(ग) नानक ने उनसे 'ओंकार' शब्द का अर्थ पूछा।

2. (क) iii, (ख) iii, (ग) i, (घ) ii

3. (क) शांत, गंभीर; (ख) ज्योतिषियों; (ग) काजी; (घ) वैराग्य

4. (क) पाकिस्तान में लाहौर में कोई बीस किलोमीटर दूर रावी नदी के दाएँ किनारे एक गाँव है—तलवंडी, जो अब ननकाना साहब के नाम से प्रसिद्ध है। इसी गाँव में संवत् 1526 विक्रमी के कार्तिक मास की पूर्णिमा को कालूचंद बेदी के घर एक पुत्र का जन्म हुआ। प्राय: बालक पैदा होते ही हँस पड़ा। लोगों के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। ज्योतिषियों ने नक्षत्र-गणना करके भविष्यवाणी की कि यह बालक बड़ा प्रतापी होगा।
(ख) उन्होंने पंडित जी से कहा, ''महाराज! मुझे सूत का कच्चा यज्ञोपवीत नहीं चाहिए। मुझे तो ऐसा यज्ञोपवीत चाहिए जिसमें सत्य, दया और संतोष के धागे हों और संयम की गाँठ हो।''
(ग) नानक ने तीन बार सारे भारत का भ्रमण किया और लोगों को सत्य का स्वरूप समझाया। उनके साथ उनके दो शिष्य-भाई बाला और भाई मर्दाना रहते थे। वे अपने गुरु के बनाए पदों को गा-गाकर लोगों को सुनाते थे।
(घ) नानक के उपदेशों से प्रभावित होकर लाखों लोग उनके शिष्य हो गए। कालांतर में ये सिख कहलाए। सिख शिष्य शब्द का बिगड़ा रूप है। जो लोग मूर्ति-पूजा और धर्म के नाम पर किए जाने वाले व्यर्थ के आडंबरों में फँस गए थे, उन्हें सच्चे मार्ग के दर्शन हुए। जो लोग छोटी जाति में जन्म लेने के कारण नीची निगाह से देखे जाते थे, उन्हें गुरु नानक के उपदेशों से बड़ी शांति मिली।

5. लाहौर, पूर्णिमा, आश्चर्य, तृप्ता, ज्ञान, प्रसिद्ध, प्रतिशत, नम्रता, परमात्मा

6. ज्ञानी, प्रतापी, हरा, गुलाबी, मीठी, वरद

7. बायाँ, छोटा, बाद में, प्रश्न, कम, अशांत, नीच, अमीर, झूठा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 त्योहारों का देश-भारत

1. (क) हाँ, प्रत्येक त्योहार को मनाने के पीछे कोई-न-कोई कहानी जुड़ी हुई है।
(ख) भारतीय ज्योतिष में बारह राशियाँ होती हैं।
(ग) सिख के दसवें और अंतिम गुरु गोविंद सिंह ने इसी दिन खालसा धर्म की नींव रखी थी।
(घ) जन्माष्टमी के त्योहार पर घरों में कृष्ण के जीवन से संबंधित झाँकियाँ सजाई जाती हैं।
(ङ) 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिन मनाया जाता है।
(च) बहीखातों की पूजा दीपावली के त्योहार पर की जाती है।

2. (क) मकर संक्रांति पर, (ख) असोम में, (ग) सावन में, (घ) दशहरा

3. (क) यदि त्योहार मनाने के पीछे कोई-न-कोई कहानी या इतिहास न जुड़ा होता तो त्योहार का न तो इतना महत्त्व होता और न ही लोग

उन्हें इतने विश्वास के साथ मनाते।

(ख) तो त्योहारों की रोनक फीकी और अधूरी रह जाती और धर्म विशेष के लोग अकेले ही त्योहार मनाते बिना किसी हर्ष और सहयोग के।

4. (क) संस्कृति, (ख) कोलकाता, (ग) ऋतु, (घ) बेलपत्र, (ङ) मृत्यु

5. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✗

6.

मुहर्रम	श्रावण
रक्षाबंधन	इमाम हुसैन इली
ओणम	दूज
भाई	राजा बलि

7. (क) 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन पूरा देश मनाता है।

(ख) इस दिन के बाद से दिन धीरे-धीरे बढ़ने लगता और रातें घटने लगती हैं।

(ग) 'पोंगल' तमिलनाडु का प्रमुख त्योहार है।

(घ) चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से 'भारतीय नववर्ष' प्रारंभ होता है

(ङ) गणेश चतुर्थी त्योहार महाराष्ट्र, राज्य का प्रमुख त्योहार है तथा यह दस दिन तक मनाया जाता है।

8. (क) भागीरथी, देवनदी, (ख) वीणापाणि, वीणावादिनी, (ग) शंकर, महादेव, (घ) गजानन, लंबोदर

9. असंभव, अनेकता, विकर्षण, अधर्म, अंत

10. (क) प्रबलता, (ख) प्रसन्नता, (ग) प्रबुद्धता

11.

गण + ईश	जन्म + अष्टमी
दीप + आवली	हर्ष + उल्लास

12. (क) गंगासागर-व्यक्तिवाचक, मेला-जातिवाचक

(ख) भारत-व्यक्तिवाचक, अनेकता, एकता-भाववाचक, देश-जातिवाचक,

(ग) त्योहार, ऋतु-जातिवाचक

(घ) बहन, भाई-जातिवाचक

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 नेताजी सुभाषचंद्र बोस

1. (क) सुभाषचंद्र बोस एक महान् स्वतंत्रता सेनानी थे।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) सुभाषचंद्र बोस के पिता वकील थे। उनका नाम जानकीनाथ बोस था।

(घ) नेताजी भारतमाता के सच्चे वी सपूत थे।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) विरुद्ध, पृथक्, (ख) भारतवासी, कुर्बान, (ग) अहिंसापूर्ण, (घ) क्रांतिकारी, सरकार, (ङ) नौकर, बाहर

4.

गांधी जी	आजाद हिंद फौज
जानकीनाथ	अहिंसावादी
कोलकाता	जापान की हार के कारण
सुभाषचंद्र बोस	प्रेसीडेंसी कॉलेज
आत्मसमर्पण	प्रसिद्ध वकील

5. (क) वे अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध करके देश को स्वतंत्र कराना चाहते थे।

(ख) देशवासियों से उनका आह्वान था– '' तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।''

(ग) नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा प्रांत के कटक नामक नगर में हुआ था।

(घ) उनकी प्रारंभिक शिक्षा कटक में हुई थी। कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से इन्होंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद कलकत्ता के ही स्कॉटिश कॉलेज से बी०ए० की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। वे आई०सी०एस० की परीक्षा देने के लिए इंग्लैंड गए। परीक्षा में उत्तीर्ण होकर स्वदेश लौटे।

(ङ) गांधी जी के नेतृत्व में देश में असहयोग आंदोलन चलाए जाने पर अनेक प्रबुद्ध लोग अपना कार्य छोड़कर भाग ले रहे थे। ऐसे अवसर पर सुभाष सरकारी नौकरी को ठोकर मार आंदोलन में जुट गए।

(च) उन्होंने 'नमक कानून तोड़ो' आंदोलन का नेतृत्व किया। वे कलकत्ता कॉरपोरेशन के मेयर चुने गए।

(छ) उनके विचार क्रांतिकारी थे। वे कांग्रेस के अहिंसापूर्ण आंदोलन में विश्वास नहीं रखते थे और उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया।

(ज) नेताजी ने देश में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

(झ) सुभाषचंद्र बोस का पहले से ही तयशुदा कार्यक्रम था कि योजनाबद्ध तरीके से भारत छोड़कर अन्य देशों में जाएँगे और वहाँ अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध करने की योजना बनाएँगे। इसी बीच उन्होंने उन लोगों को सूचना भेज दी, जिन्हें इनके जाने का सारा प्रबंध करना था। तारीख इत्यादि का सब निर्णय हो गया। इतने दिनों तक इन्होंने अपनी दाढ़ी भी नहीं कटवाई थी। इस प्रकार दाढ़ी बढ़ जाने पर वे जल्दी पहचाने नहीं जाते थे। एक दिन मौलवी के वेश में वे घर से बाहर निकले। कोई भी इन्हें पहचान नहीं सका। वे एक मोटर में बैठकर कलकत्ता से चालीस मील दूर एक रेलवे स्टेशन पर पहुँचे और पेशावर तक दूसरे दर्जे का टिकट लेकर गाड़ी में बैठ गए। फौजी सरदार के पूछने पर उन्होंने अपना नाम लखनऊ निवासी जियाउद्दीन बताया। अनेक कष्टों को सहते हुए 26 जनवरी, 1942 को सुभाषचंद्र बोस पुलिस व जासूसों को चकमा देकर काबुल के रास्ते जर्मनी पहुँचे।

(ञ) एक विमान दुर्घटना में नेताजी की मृत्यु का दु:खद समाचार देश को प्राप्त हुआ दुर्घटना में नेताजी का शव या कोई चिह्न न मिल पाने के कारण उनकी मृत्यु पर आज तक संदेह बना हुआ है।

6. (क) कायर (ख) परदेश

(ग) परतंत्र (घ) अहिंसा

(ङ) अनुत्तीर्ण (च) निम्न

(छ) कपूत (ज) गुलामी

7. (क) आजादी (ख) युद्ध

(ग) बलिदान (घ) आराम

8. (क) देश की स्वतंत्रता में गांधी जी का बहुत योगदान है।

(ख) देश की आन की रक्षा के लिए हमें देश पर कुर्बान होना चाहिए।

(ग) राजा मानसिंह के नेतृत्व में पानीपत का दूसरा युद्ध लड़ा गया।

(घ) सरिता ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

9.

मूल शब्द	प्रत्यय
आजाद	ई
जर्मन	ई
भारत	ईय
क्रांति	कारी
स्वाधीन	ता
प्रारंभ	इक

10. त्याग का पत्र
देश का वासी
दुर्घटना से ग्रस्त
देश की भक्ति

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 रक्त और हमारा शरीर

1. (क) रक्त की कमी होने के कारण हमें थकान और कमजोरी महसूस होती है।
(ख) डॉक्टर दीदी सूक्ष्मदर्शी की सहायता से जाँज कर रही थीं।
(ग) रक्त में लाल कणों का कम होना एनीमिया कहलाता है।
(घ) जिस आहार में सभी पोषक तत्त्व होते हैं, उसे पौष्टिक आहार कहते हैं। प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, लौह तत्व आदि।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) i, (घ) ii

3. (क) मिली लीटर, चालीस, (ख) शरीर, (ग) शौचालय, (घ) कोशिश, सामना, (ङ) अठारह, स्वस्थ

4.

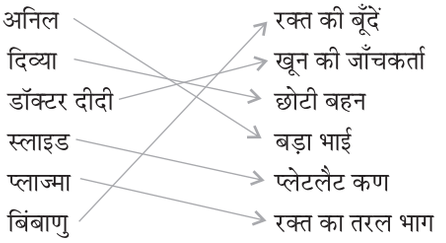

5. (क) डॉक्टर ने अनिल से कहा
(ख) डॉक्टर दीदी ने अनिल से कहा
(ग) डॉक्टर दीदी ने अनिल से कहा
(घ) अनिल ने डॉक्टर दीदी से कहा

6. (क) दिव्या को कुछ दिनों से थकान महसूस होती रहती है। मन किसी काम में नहीं लगता, भूख पहले से कम लगती है।
(ख) अस्पताल में अनिल को अपनी डॉक्टर दीदी दिखाई दीं।
(ग) डॉक्टर दीदी ने दिव्या की उँगली से रक्त की कुछ बूँदें एक छोटी-सी शीशी में डाल दीं और स्लाइड पर लगा दीं तथा सूक्ष्मदर्शी पर जाँच करने लगीं।
(घ) दिव्या को एनीमिया हुआ था। पौष्टिक आहार न लेने से कारण यह हो जाता है।
(ङ) लाल कण बनावट में बालूशाही की तरह ही होते हैं। गोल और दोनों तरफ से अवतल यानी बीच में दबे हुए। रक्त की एक बूँद में इनकी संख्या लाखों होती हैं। ये कण शरीर के लिए दिन-रात काम करते हैं।
(च) पेट में कीड़ों के होने का मुख्य कारण दूषित जल और खाद्य पदार्थों का शरीर में प्रवेश करना है। इनसे बचने के लिए आवश्यक है कि हम पूरी सफाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ पानी ही पीएँ।
(छ) ब्लड बैंकों में रक्त का भंडार सुरक्षित रहे इसके लिए समय-समय पर रक्तदान करना आवश्यक है। अठारह वर्ष से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति ही रक्तदान कर सकते हैं।

7. (क) सूख (ख) किस्सा
(ग) भक्त (घ) भंग
(ङ) जून (च) राग
(छ) आँच (ज) सच्चा

8. (क) खाता-पिता क्रय-विक्रय
(ख) अपना-पराया आगा-पीछा
(ग) ऊँच-नीच ऊँचा-नीचा
(घ) काम-धाम कूद-फाँद

9.

लोहे के चने चबाना	कठिन काम करना
घी के दीये जलाना	खुशियाँ मनाना
दाल में काला होना	गड़बड़ होना
पानी-पानी होना	खुशियाँ मनाना

10. (क) सूक्ष्मदर्शी से अत्यंत छोटे-से-छोटे जीव को देखा जा सकता है।
(ख) शिष्य के प्रश्न का उत्तर देकर गुरु जी ने उसकी जिज्ञासा शांत कर दी।
(ग) मैं आज अन्न-जल ग्रहण नहीं करूँगा।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 जैसी संगति बैठिए

1. (क) मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जात है क्योंकि वह समाज में जन्म लेता है, पलता है तथा बढ़ता है।
(ख) बुरे लोगों के साथ से व्यक्ति में बुरी आदतें आ जाती हैं।
(ग) हमें अच्छे लोगों के साथ रहने से अच्छी बातों का ज्ञान हो जाता है तथा दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण हम में विकसित होते हैं।
(घ) मित्र ऐसा होना चाहिए, जिसके गुणों का न केवल आप मान करें, अपितु वे सबको लुभाने में समर्थ हों।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii, (घ) ii, (ङ) iii

3. (क) यदि मनुष्य गुणवान, चिंतनशील व सज्जन लोगों की संगति में उठता-बैठता है, तो उसमें भी समय के साथ-साथ सद्वृत्तियाँ जाग्रत होने लगती हैं।
(ख) बंगाल में एक नन्हीं बालिका को भेड़िया उठा ले गया था। कुछ वर्ष बाद वन अधिकारियों ने उस बालिका को भेड़िए के शिकंजे से मुक्त करवाया। परंतु इन कुछ वर्षों में वह बालिका भेड़ियों की भाँति चलना, फिरना, खाना तथा आवाज निकालना सीख गई थी। शुरू-शुरू में तो चिकित्सकों तथा मनोवैज्ञानिकों ने उसे आम मनुष्यों की भाँति रखने का प्रयास किया, परंतु अपने वातावरण के इस बदलाव

से या अन्य कारणों से वह अधिक दिन तक जीवित नहीं रह पायी। इस प्रकार यह भेड़िया बालिका इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि संगति का मानव मन तथा व्यवहार पर कितना प्रभाव पड़ता है।

(ग) सत्संगति सुगंध से भरपूर वह उपवन है, जिसकी कल्पना ही हमें तरो-ताजा कर देती है। सत्संगति शीतल जल का वह फव्वारा है, जिसके छींटे हमारे जीवन में स्फूर्ति लाते हैं तथा हम कुछ सृजनात्मक करने को आतुर हो उठते हैं। सत्संगति स्वाति नक्षत्र से टपकने वाली वह बूँद है, जो सहस्त्रों मुक्ताओं को जन्म दे सकती है, जो समस्त वातावरण को कपूर-सा सुगंधित कर महका सकती है।

(घ) संगति के प्रति सतर्क रहना नितांत आवश्यक है। यही वह उम्र होती है, जब हमारे संस्कार स्थायी रूप धारण करने लगते हैं। सत्संगति में रहकर बालक में दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण आ जाते हैं।

(ङ) साथियों की बुरी आदतें औरों पर भी प्रभाव डालती हैं। काजल की कोठरी में किसी को भी कालिख लग सकती है। सभी बुरे व्यसन कुसंगति से आते हैं। कुसंग से व्यक्ति व समाज, दोनों का ही अहित होता है।

4. मानव, भाग, जल्दी, साल, स्वर्ण, रीति-रिवाज

5. प्रभावित, सामाजिक, रचनात्मकता, प्राणी।

6. (क) केवल मैं ही आपको वहाँ ले जा सकता हूँ।

(ख) कक्षा में सबसे छोटा बच्चा ही सो रहा था।

7. जंगल, गंभीर, कुसंग, संदेह, आँख, अंधकार, अँधेरा, कहाँ, अत्यंत, चंदन, बंधन, भाँति

8. स्वयं कीजिए।

9. स्वयं कीजिए।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 पिता का पत्र

1. (क) पिता ने बेटी के सम्मान समारोह के अवसर पर पत्र लिखा।

(ख) एक तो यह कि तुमने और मैंने जो लक्ष्य मिलकर तय किया था, पूरा हुआ और दूसरा मेरे मन में बरसों से जो एक अपराध-बोध पल रहा था, आज उससे मेरी मुक्ति का भी दिन है।

(ग) पिता को अपनी पुत्री की सफलता और प्रसिद्धि को देखकर गर्व होता है।

(घ) लड़की होना सिर्फ एक जैविक सच्चाई है। इस सत्य को विज्ञान ने आज सिद्ध कर दिया है।

(ङ) पत्र के अंत में पिता अपनी पुत्री से कहते हैं कि हमें दो तरह से लड़ाई लड़नी है—एक तो पुराने संस्कारों से, दूसरे इस नई उपभोक्ता संस्कृति से जो स्त्री के सम्मान को बार-बार चोट पहुँचाती हैं। इस पर बाकी बातें अगली चिट्ठी में।

2. (क) i, (ख) iv, (ग) iii

3. (क) पिता ने अपनी बहन के पढ़ने की बात पर ध्यान न देकर भूल की थी और अपनी पुत्री को पढ़ाकर इस भूल में सुधार किया।

(ख) हमें दो तरह से लड़ाई लड़नी है—एक तो पुराने संस्कारों से, दूसरे इस नई उपभोक्ता संस्कृति से जो स्त्री के सम्मान को बार-बार चोट पहुँचाती हैं।

(ग) जन्म से किसी का लड़का या लड़की होना जैविक सच्चाई है परंतु वर्तमान समय में लड़का-लड़की में फर्क किया जाता है और लड़के को अधिक महत्त्व दिया जाता है। यह सामाजिक सच्चाई है। स्त्री के संदर्भ में इस बात को समाप्त करके देखना चाहिए।

(घ) पत्र के आधार पर निरुपमा बुआ पढ़ने में बहुत अच्छी थीं और हर काम बहुत जल्दी सीख लेती थीं।

(ङ) पिता का व्यवहार अपनी बहन के प्रति नकारात्मक और अपनी बेटी के प्रति सकारात्मक था क्योंकि उन्हें बहन के प्रति किए व्यवहार पर पश्चाताप था। जिसका सुधार वे अपनी बेटी को शिक्षा दिलाकर करना चाहते थे।

4. (क) ग् + ऊँ + ज् + अ

(ख) ह् + ऑ + ल् + अ

(ग) प् + र् + आ + क् + र् + इ + य् + आ

(घ) उ + प् + अ + ल् + अ + ब् + ध् + इ

(ङ) म् + उ + क् + त् + इ

5. समारोह-जलसा, उत्सव, बुद्धिमान-ज्ञानी, विद्वान, कठिन-मुश्किल, कष्टपूर्ण

6. (ख) दिखावटी, मिलावटी, (ग) भटकाऊ, दिखाऊ, (घ) फड़फड़ाहट, चहचहाहट

7. (ख) संबंधकारक, (ग) कर्मकारक, (घ) अधिकरण कारक, (ङ) अधिकरण कारक,

8. (ख) कि, (ग) की, (घ) की, (ङ) कि

9. (ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण (ग) कालवाचक क्रियाविशेषण

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण (ङ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 बिशन की दिलेरी

1. (क) बिशन एक साहसी लड़का था। उसकी उम्र दस वर्ष थी।

(ख) कर्नलदत्ता की पत्नी उसकी पढ़ाई में मदद करती थी। इसलिए वह फार्म हाउस जाता था।

(ग) फलों व सब्जियों के बगीचे आदि को फार्म हाउस कहते हैं।

(घ) क्योंकि उसे शिकारी ढूँढ़ रहे थे।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) iii, (घ) i, (ङ) ii

3. (क) पगडंडी, आवाज, (ख) एकाएक, समझ, (ग) शिकारियों, (घ) वह, (ङ) स्वेटर, बिशन, (च) मुर्गियाँ, बरामदा

4. (क) बिशन ने स्वयं से कहा

(ख) शिकारी ने बिशन से कहा

(ग) शिकारी ने बिशन से कहा

(घ) कर्नल ने शिकारी से कहा

(ङ) शिकारी ने कर्नल से कहा

5. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓

6. (क) बिशन प्रतिदिन कर्नल दत्ता के फार्म हाउस जाता है। बाग में कीट-नाशक दवा के छिड़काव का काम चल रहा था।

(ख) फसलें पकने पर ढेरों तीतर आ जाते हैं इसलिए शिकारी उनका शिकार करने के लिए गोली चलाते हैं।

(ग) बिशन को गेहूँ के खेत में एक घायल तीतर मिला।

(घ) बिशन खेतों के साथ-साथ छिपकर इसलिए चलने लगा ताकि शिकारी उसे देख न लें।

(ङ) बिशन आहट सुनकर दौड़ पड़ा दौड़ते-दौड़ते उसने आधी पहाड़ी पार कर ली।

(च) बिशन ने तीतर को शेड के नीचे पड़े कबाड़ में टोकरी के अंदर रखकर उसे स्वेटर से ढक कर छुपा दिया।

(छ) कर्नल साहब का कुत्ता किसी अजनबी को देखकर ही भौंकने लगता था इसलिए वह शिकारियों को देखते ही भौंकने लगा।

7. (क) खेतों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करवा दिया है।

(ख) यह पगडंडी घर की तरफ जाती है।

(ग) राजदरबार में युधिष्ठिर को अपमानित होता देखकर सब चुपचाप थे।

(घ) एकाएक आकाश में बिजली चमकी।

(ङ) दशरथ के तीर से श्रवण कुमार घायल हो गए।

8. (क) आगे (ख) शाम

(ग) अंत (घ) पास

(ङ) भारी (च) कच्ची

(छ) अगला (ज) सरल

9. (क) धेनुएँ (ख) पत्नियाँ

(ग) सेवकों (घ) गोलियाँ

(ङ) विधियाँ (च) शिकारियों

(छ) लताएँ (ज) कुत्ते

10. गूँज, कँटीले, पंछी, पाँव, झाँक, अंदर, फँसा, बंदूकें

11. (क) जोर-जोर-रीतिवाचक, (ख) यहाँ-स्थानवाचक, (ग)रुककर-रीतिवाचक, (घ)इधर-स्थानवाचक

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 बात पते की

1. (क) महात्मा गांधी भारत को स्वतंत्रता दिलानेवाले एक महान सेनानी थे। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था।

(ख) क्योंकि वे सबको अपने बच्चों की भाँति प्यार करते थे।

(ग) बापू अहिंसा के पुजारी थे।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) i, (घ) ii

3. (क) अम्मा, अम्मा बताना, 'क्या सच है जो कहती दादी,
बिना हथियार उठाए सचमुच क्या बापू ने दी आजादी?
अम्मा बोलो, गांधी जी ने, कैसे चमत्कार दिखलाया,
बिना लड़े ही ताकतवर दुश्मन को कैसे मार भगाया?

(ख) देश बड़ा है, सब कुछ छोटा, बापू ने सबको बतलाया,
आजादी अधिकार हमारा, यह सच जन-जन को समझाया।
सोया देश उठा जब मुन्ना! अंग्रेजी सत्ता थर्रायी,
उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम से 'स्वराज' की आँधी आई!

4. (क) गांधी जी ने देश को आजादी बिना हथियार उठाए दिलाई। उन्होंने सत्य-अहिंसा और प्रेम से आजादी की लड़ाई लड़ी।

(ख) गांधी जी ने हथियार का सहारा नहीं लिया था क्योंकि वे अहिंसा के पुजारी थे।

(ग) गाँव-गाँव जाकर बापू ने आजादी की अलख जगाई।

(घ) समाज के निम्न वर्ग के साथ सामाजिक स्थलों पर भेदभाव किया जाना ही छुआछूत कहलाता है। गांधी जी ने छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई।

(ङ) गांधी जी ने चरखा चलाया, सूत काता जिससे सभी उनसे प्रभावित हुए और घर-घर में सूत काता जाने लगा। इस प्रकार उन्होंने घर-घर में खादी पहुँचा दी।

5. (क) बापू ने बिना हथियार उठाए देश को आजादी दिलाई।

(ख) गंगाजल में अनेक चमत्कारिक शक्तियाँ होती हैं।

(ग) गांधीजी ने छुआछूत का विरोध किया।

(घ) गांधी जी ने खादी पहनने पर जोर दिया।

(ङ) दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है।

6. आदी, पत्ता, जगाया, सते, मलख, चापू

7. झूठ, कमजोर, गुलामी, दोस्त

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 नमक का दरोगा

1. (क) कहानी में ऊपर आमदनी को बहता हुआ बताया गया है।

(ख) मुंशी वंशीधर ने अफसरों को रिश्वत देकर मोहित कर लिया था।

(ग) अलोपीदीन को अपनी घर आते देखकर वंशीधर चौंक गए।

(घ) क्योंकि मुंशी वंशीधर ने उनकी नौकरी मंजूर कर ली थी।

(ङ) स्वयं कीजिए।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) ii, (घ) iii

3. (क) ऊपरी, ठिकाना, (ख) अलोपीदीन, प्रतिष्ठित, (ग) गड़गड़ाहट, मल्लाहों, (घ) घबराकर, (ङ) निरादर, (च) हथकड़ियाँ, (छ) माला

4.

व्यापारी	ऋण के बोझ से।
दुर्दशा	अच्छा व्यवहार।
उत्तम आचरण	वस्तु का व्यापार।
नमकहरामी	धर्म पर अपना सब कुछ कुर्बान करना।
धर्मपरायण	बेईमानी करना।

5. (क) दरोगा साहब ने गाड़ी वालों से पूछा

(ख) गाड़ीवालों ने अलोपीदीन से कहा

(ग) अलोपीदीन ने दरोगा से कहा

(घ) वंशीधर ने अलोपीदीन से कहा

(ङ) बूढ़े पिताजी ने वंशीधर से कहा

(च) वंशीधर ने अलोपीदीन से कहा

6. (क) लोग चोरी-छिपे नमक का व्यापार करने लगे क्योंकि जब से नमक का नया विभाग बना। ईश्वर प्रदत्त वस्तु का व्यापार करना निषेध हो गया था।

(ख) मुंशी वंशीधर के पिता उन्हें समझाने लगे कि बेटा घर की दुर्दशा देख रहे हो। ऋण के बोझ से दबे हुए हैं इसलिए ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो।

(ग) वंशीधर आज्ञाकारी पुत्र थे।

(घ) वंशीधर नमक विभाग के दरोगा पद पर प्रतिष्ठित हो गए। वेतन अच्छा था ऊपरी आय का तो ठिकाना ही न था इसलिए मुंशी जी फूले नहीं समा रहे थे।

(ङ) अलोपीदीन ने वात्सल्य पूर्ण स्वर में कहा कि कुल तिलक और पुरखों की कीर्ति उज्ज्वल करने वाले संसार में ऐसे कितने धर्मपरायण मनुष्य हैं जो धर्म पर अपना सबकुछ अर्पण कर सकें।

(च) अलोपीदीन ने वंशीधर को मैनेजरी का पद सँभालने के लिए हस्ताक्षर करने के लिए कहा तो वंशीधर की आँखें डबडबा गईं।

(छ) पंडित अलोपीदीन ने वंशीधर के हाथ में कलम देकर कहा कि न मुझे विद्वत्ता की चाह है न अनुभव की, न मर्मज्ञता की, न कार्य कुशलता की। इन गुणों के महत्त्व का परिचय खूब पा चुका हूँ। अब सौभाग्य से सुअवसर ने मुझे वह मोती दे दिया है जिसके सामने योग्यता और विद्वत्ता की चमक फीकी पड़ जाती है यह कलम लीजिए; अधिक सोच विचार न कीजिए, दस्तखत कीजिए।

7. (क) बेटे (ख) पंडितों
(ग) वृक्षों (घ) शब्दों
(ङ) गुलामों (च) आँखें

8. (क) पुराना (ख) अयोग्य
(ग) एक (घ) युवा
(ङ) मूर्ख (च) कड़वा

9. (क) सर्वसम्मानित (ख) विद्वान
(ग) कार्यकुशलता (घ) निर्मूल
(ङ) यथार्थ (च) हथकड़ियाँ

10. (क) दुर्योधन ने पांडवों के साथ पक्षपात पूर्ण व्यवहार किया।
(ख) बूढ़े मुंशी पहले से ही कुड़-बुड़ा रहे थे।
(ग) पुत्र के मामले में सेठ बहुत अभागा था।
(घ) राम-सीता के विवाह के सुअवसर पर सभी ऋषि-मुनि एकत्रित हुए।
(ङ) रजत के रिपोर्ट कार्ड पर पिताजी ने हस्ताक्षर कर दिए।

11. आत्मज, पुत्र, सुत
इंदु, चंद्रमा शशि
जनक तात पापा
सरिता तटिनी सलिला

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 भारत कोकिला : एक और पहलू

1. (क) राजनेता जिंदगी की सच्चाई को दिमाग की आँखों से देखता है।
(ख) एक कवि जिंदगी की सच्चाई को भावुकता के रंग में रँग देता है।
(ग) उनके उत्साह और कर्मठता के फलस्वरूप 1942 में उन्हें राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।
(घ) वे गांधी जी को दिल्लगी में 'मिकी माउस' पुकारती थीं।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii, (घ) i, (ङ) ii

3. (क) जूझना, (ख) परिकल्पना, (ग) विनोद प्रियता, आवरण, (घ) गोखले, (ङ) उतावली, (च) विद्रोहिणी

4.

भावुक	फुलझड़ी
सरोजिनी नायडू	गोखले जी
हास्य की	पश्चिम बंगाल
भारतीय संस्था का उद्घाटन	भारत कोकिला
गवर्नर	हृदय

5. (क) रास्ते, (ख) कवयित्री , (ग) पूरा, (घ) न, (ङ) बेटी

6. (क) सरोजिनी नायडू के भाषण से छलकता काव्य-रस श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर देता था।
(ख) अपने विनोदी स्वभाव के कारण वे अपनी मित्र-मंडली की विदूषक कही जाने लगी।
(ग) जिंदगी उनकी सहेली थी। वह जिस रूप में सामने आए उन्हें अच्छी लगती थी। यही कारण था कि जेल में रहते हुए भी वे कभी दु:खी नहीं रहीं।
(घ) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब उन्हें पश्चिम बंगाल का गवर्नर बनाया गया तो वे हास्य की फुलझड़ी छोड़ने से बाज नहीं आईं।
(ङ) गांधी जी के गुणों और व्यक्तित्व से सरोजिनी कुछ ऐसी अभिभूत थीं कि उनके सामने भीगी बिल्ली बन जाती थीं।
(च) सन् 1913 में सरोजिनी नायडू लंदन में थी। वे लंदन में हो रही घटनाएँ जानने के लिए उतावली थीं।
(छ) गोपाल कृष्ण गोखले जी बीमार चल रहे थे। डॉक्टर ने उन्हें किसी प्रकार का श्रम करने के लिए मना कर दिया था।
(ज) सरोजिनी ने गोखले से लंदन चलने को कहा क्योंकि लंदन में बनी संस्था का उद्घाटन करवाना चाहती थीं।
(झ) सरोजिनी ऐसे क्षण की प्रतीक्षा में थी कि गोखले जी उनसे उस अधिकार के बारे में पूछें जिसके कारण उन्होंने गोखले जी की ओर से निर्णय ले लिया था।
(ञ) 2 अगस्त, 1913 को लंदन के कैक्स्टन हॉल में गोखले जी ने भारतीय संस्था का उद्घाटन किया और सरोजिनी का वचन पूरा किया।

7. (क) निराकार (ख) अस्पष्ट
(ग) सरल (घ) मंद
(ङ) असंभव (च) अवगुण
(छ) झूठा (ज) निराशा

8. (क) होली के त्योहार पर शत्रु भी प्यार के रंग में रँग जाते हैं।
(ख) दीपक अपनी माँ का आँखों का तारा है।
(ग) बंदर को सामने देख कर रजत भीगी बिल्ली बन गया।
(घ) राम अक्सर अपने मित्र के लिए चाँद चुरा लाने तक की बात करता है।
(ङ) पुलिस को देखते ही चोर उड़न-छू हो गया।

9. अध्यक्षा, बिलाऊ, कवयित्री, बेटा

10. (क) उनकी वाणी में हीरे की सी धार है।
(ख) मैंने वचन दिया था।
(ग) यहाँ क्या होने वाला है?
(घ) सरोजिनी लंदन में हैं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 हृदय-परिवर्तन

1. (क) इस कहानी के लेखक भीष्म सहानी हैं। यह कहानी बोधराज पर आधारित है।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) जब तक वह पक्षियों के घोंसले तोड़ नहीं देता था, तब तक बोधराज को चैन नहीं मिलता था।

(घ) गोह साँप जैसा एक जीव है, लेकिन इसके पैर होते हैं।

(ङ) जहाँ पर गाड़ी खड़ी की जाती हैं, उसे गैराज कहते हैं।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) आनंद, (ख) तितली, उँगलियों, (ग) गुलेल, अचूक, (घ) शहतीर, मटरगश्ती, (ङ) कंकड, टीन, (च) टकटकी, ओर, (छ) दरवाजा, झरोखा

4.

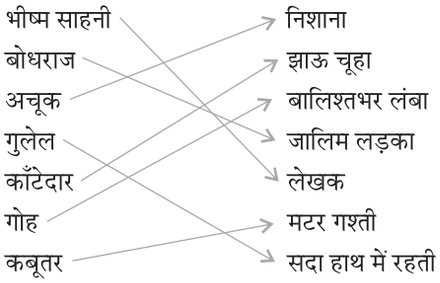

5. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✗, (च) ✗

6. (क) बोधराज एक जालिम लड़का था। वह दूसरों को सदैव कष्ट पहुँचाने वाला व्यवहार करता था।

(ख) चोर दीवार फाँदने के लिए गोह का इस्तेमाल करते हैं। वे गोह की एक टाँग में रस्सी बाँध देते हैं। फिर जिसे दीवार को फाँदना हो,रस्सी झुलाकर दीवार के ऊपर की ओर फेंकते हैं। दीवार के साथ लगते ही गोह अपने पंजों से दीवार को पकड़ लेती है फिर रस्सी को दस आदमी भी खींचे तो गोह दीवार को नहीं छोड़ती। चोर उसी रस्सी के सहारे दीवार फाँद जाते हैं।

(ग) दूध पिलाने से गोह के पंजे ढीले पड़ जाते हैं।

(घ) घोंसले से चीं-चीं की आवाज आ रही थी और मैना के बच्चे पंख फड़-फड़ाकर चिल्ला रहे थे। अब चील क्या करेगी यह देखने के लिए लेखक और बोधराज निश्चेष्ट से खड़े हो गए।

(ङ) कबूतर शहतीर पर गुटरगूँ-गुटरगूँ करते हुए मटरगश्ती कर रहे थे।

(च) घोंसले में मैना के बच्चे थे उनकी चोंच पीली-पीली नन्हीं-सी थी।

(छ) लेखक और बोधराज ने मैना के बच्चों की रक्षा चील से की। उन लोगों ने मैना के बच्चों को घोंसले सहित गैराज में रख दिया।

(ज) बोधराज चील द्वारा मैना के बच्चों को नुकसान पहुँचाने के ख्याल से ही डर गया और इस घटना ने उसके हृदय पर गहरा प्रभाव छोड़ा और उसका हृदय परिवर्तन हो गया। उसने अभी जीव-जंतुओं को सताना छोड़ दिया। पहले उसके पास हमेशा ही गुलेल-कंकड़ रहते थे परंतु अब उसकी जेबों में बहुत-सा चुग्गा भरा रहता था और वह देर तक पक्षियों के करतब देखता रहता था।

7. (क) राम और श्याम सहपाठी हैं।

(ख) ठंड के मौसम में पानी बर्फ में परिवर्तित हो जाता है।

(ग) मधुमक्खी ने रमेश को डंक मार दिया।

(घ) रोशनदान से ठंडी हवा आ रही थी।

(ङ) चील ने झपट्टा मार कर साँप को पकड़ लिया।

8. (क) बुढ़ापा (ख) चौड़ा

(ग) सरल (घ) नया

(ङ) सचेष्ट (छ) पुण्य

(छ) बेचैन (ज) असंतुलन

9. (क) मृदुभाषी, (ख) अनुत्साहित, (ग) कृतघ्न, (घ) निराधार, (ङ) अल्पायु, (च) अद्‌वितीय

10. हर्ष, खुश, मगन; खग, विहग पंछी; माता, जननी, अंबा

दुग्ध, गोरस, पय सर्प, भुजंग, नाग

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 रावण की दौड़

1. (क) क्योंकि उसके दस सिर थे।

(ख) अपने दहन का एक ही तरीका अपनाते रावण ऊब चुका था।

(ग) 'सदा बुराई पर अच्छाई की जीत होती है।'-यह बताने के लिए।

(घ) स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) i, (घ) ii

3. (क) प्रसिद्ध, (ख) आकर्षण, (ग) रावण, सजीव, (घ) सुतली, फुलझड़ियाँ, यह, (ङ) फागुनी, कॉलोनी, (च) आकर्षण, रौबीली

4.

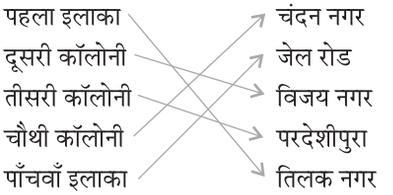

5. (क) रावण ने शिशिर से पूछा

(ख) शिशिर ने रावण से कहा

(ग) रावण ने मुनीश से कहा

(घ) मुनीश ने रावण से कहा

(ङ) फागुनी ने रावण से कहा

(च) दिव्यांश ने रावण से कहा

6. (क) इस बार रावण ने कुछ अलग करने का निश्चय किया वह अपने दहन का एक ही तरीका अपनाते ऊब चुका था।

(ख) रावण शहर की प्रसिद्ध इमारत की छत पर उतरा। उतरकर उसने सामने की होटल से एक गिलास चाय सुड़की और एक घुमक्कड़ का स्वांग बनाकर निरीक्षण अभियान पर निकल पड़ा।

(ग) शिशिर ने बताया कि मैंने रावण के बाहरी स्वरूप पर बहुत ध्यान दिया है ताकि पहला प्रभाव अच्छा पड़े और इसका स्वास्थ्य गोल मटोल नजर आए।

(घ) किशोर व शिशिर ने रावण के पुतले को बनाने में छह महीने के अखबार की रद्दी और अपने कई पुराने कपड़ों को ठूँस-ठूँसकर भरा है। इसमें लगभग पाँच सौ रुपये खर्च हुए।

(ङ) विजय नगर पहुँचकर रावण वहाँ के पुतले को देखकर हक्का बक्का रह गया क्योंकि तेरह फुट का रावण ऐसा सजीव लग रहा था जैसे अभी बोल पड़ेगा। मुनेश ने अपने द्‌वारा बनाए गए पुतले की विशेषता बताई कि इस बार मैंने आतिशबाजी पर ज्यादा ध्यान दिया है, प्रत्येक अंग में ठूँस-ठूँसकर सुतली बम, अनार और

फुलझड़ियाँ भरी हैं ताकि बहुत देर तक यह जलता रहे।

(च) फागुनी ने अपने भाई के साथ मिलकर इसके दसों सिरों को बनाने में खूब परिश्रम किया। प्रत्येक सिर को नाम दिया है— आतंकवादी, भ्रष्टाचारी, रिश्वतखोरी, मिलावटी, दहेज-लोभी, मुनाफाखोर, काला बाजारी, संप्रदायवादी, महँगाई, बेईमानी।

(छ) पारस ने बताया कि इसका प्रमुख आकर्षण इसकी बड़ी रोबीली मूँछ और हाथ में तलवार के बजाय मशीनगन है।

(ज) रावण ने बताया कि तुम एक बुरे आदमी को इतना अच्छा और महँगा क्यों बनाते हो। इससे अच्छा तो मुझे जला लो मैं असली रावण हूँ; यह सुनकर पारस का मुँह खुला रह गया।

7. (क) आगरे में हमने ताजमहल का भ्रमण किया।
(ख) आगरे का पेठा बहुत प्रसिद्ध है।
(ग) अज्ञेय की रचनाओं में घुमक्कड़ी का भाव रहता है।
(घ) भालू का बच्चा गोल-मटोल था।
(ङ) चित्रकार ने चित्र में युद्ध का सजीव चित्रण किया है।
(च) अच्छे कार्य की प्रशंसा सभी करते हैं।
(छ) सरकस में शेर आकर्षण का केंद्र था।

8. (क) निर्णय (ख) अग्नि
(ग) घूमना (घ) बालक
(ङ) पहुँचना (च) वस्त्र

9. (क) पीछे (ख) नापसंद
(ग) विकर्षण (घ) निर्जीव
(ङ) आय (च) निंदा
(छ) ईमानदारी (ज) खूबसूरत
(झ) धरती (ञ) साधारण
(ट) बुरा (ठ) सस्ता

10. (क) विकारी (ख) अविकारी
(ग) विकारी (घ) अविकारी
(ङ)विकारी (च) विकारी
(छ) अविकारी (ज) अविकारी
(झ) विकारी (ञ) विकारी

11.

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
दुग्ध	रात	डिबिया	चाकू
दधि	सूरज	थाली	डॉक्टर
रात्रि	हाथ	पेट	साबुन
सूर्य	आग	किताब	फौज

12. दस हैं सिर जिसके अर्थात् रावण — दहेज का लोभी
रावण का दहन — आगे ही आगे
गोल और मटोल — सुतली का बम

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 मिठाईवाला

1. (क) विजय बहादुर के दो बच्चे थे-चुन्नू और मुन्नू।
(ख) रोहिणी विजय बहादुर की पत्नी थी।
(ग) मुरलीवाला मुरली दो पैसे में दे रहा था।
(घ) जब मुरलीवाले ने कहा कि वैसे तो मुरली तीन-तीन पैसे की हैं लेकिन अपको दो-दो पैसे में लगेंगी तो विजय बाबू मुस्कराए क्योंकि उन्हें लगा कि यह सबको इसी भाव में देता होगा। बस कम करके मुझ पर अहसान लाद रहा है।

2. (क) ii (ख) iii (ग) i, (घ) iii

3. (क) बच्चे ने खिलौने वाले से कहा
(ख) रोहिणी ने विजय बाबू से कहा
(ग) विजय ने मुरली वाले से कहा
(घ) रोहिणी ने दादी से कहा
(ङ) दादी ने मिठाई वाले से कहा
(च) मिठाई वाले ने रोहिणी से कहा

4. (क) मिठाईवाले के बच्चे समय से पहले ही ईश्वर को प्यारे हो गए थे। वह अन्य बच्चों में अपने बच्चों को ही देखता था। इसलिए अलग-अलग चीजें बेचकर बच्चों को खुश करता था। इन्हीं चीजों की व्यवस्था करने में उसे समय लगता था और वह महीनों बाद आता था।

(ख) मिठाईवाला मीठे स्वरों के साथ गलियों में घूमता था। उसके स्नेहाभिषिक्त कंठ से फूटा हुआ गान सुनकर सभी खिंचे चले आते थे।

(ग) विजय बाबू ने मुरलीवाले से कहा कि मुरली तो तुम सबको दो-दो पैसे में ही देते होंगे पर तुम मुझ पर ऐसा करके अहसान लाद रहे हो। मुरलीवाला बोला दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज क्यों न बेचे पर ग्राहक यही समझता है कि दुकानदार उसे लूट रहा है।

(घ) खिलौनेवाले के आने पर खेलते और इठलाते हुए बच्चों का झुंड उसे घेर लेता तब वह खिलौनेवाला वही बैठकर खिलौने की पेटी खोल देता। बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते।

(ङ) मुरलीवाले का गाना सुनकर रोहिणी को खिलौनेवाले का स्मरण हो गया। क्योंकि वह भी खिलौने वाले की तरह गाकर मुरली बेच रहा था।

(च) दादी की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया। उसने इन व्यवसायों को अपनाने का कारण संतोष, सुख, धीरज की प्राप्ति बताया।

(छ) कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह अपनी व्यक्तिगत कथा सुनाते-सुनाते भावुक हो गया था और उसकी आँखें आँसूओं से तर थीं।

(ज) नहीं, आजकल की स्त्रियाँ चिक के पीछे से बात नहीं करतीं।

5.

	मूल शब्द	**प्रत्यय**
(क)	पुलक	इत
(ख)	खेल	औना
(ग)	आवश्यक	ता
(घ)	मुरली	वाला
(ङ)	जायका	दार
(च)	मुस्कुरा	आहट

6. (क) बच्चे मेला देखने के लिए बहुत उत्सुक थे।
(ख) डॉक्टर बीमारी के विषय में अभी संशय में है।
(ग) ईश्वर को सदैव से ही अंतर्यामी माना जाता है।
(घ) हम पर गुरुजी की असीम कृपा है।

(ङ) माँ के हाथ का बना खाना जायकेदार होता है।
(च) दादी सब्जी वाले से मोलभाव करने लगी।

7. (क) बच्चा सच्चा (ख) सज्जन सज्ज
(ग) अन्न गन्ना (घ) उत्तम उत्तर
(ङ) चम्मच अम्मा (च) बल्ला लल्ला

8. (क) अनोखा (ख) मूल्य
(ग) मिष्ठान (घ) बगीचा
(ङ) बाँसुरी (च) बालक

9. (क) कड़वे (ख) ऊपर
(ग) महँगे (घ) कठोर
(ङ) नकली (च) बुर

10. बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते। वे पैसे लाकर खिलौने का मोलभाव करने लगते। पूछते-''इछका दाम क्या है औल इछका?'' खिलौनेवाला बच्चों को देखता और उनकी नन्हीं-नन्हीं उँगलियों से पैसे ले लेता और बच्चों की इच्छानुसार उन्हें खिलौने दे देता। खिलौने लेकर फिर बच्चे उठलने-कूदने लगते और तब फिर खिलौनेवाला उसी प्रकार गाकर कहता-''बच्चों को बहलाने वाला खिलौनेवाला''।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 चिट्ठी के अक्षर

1. (क) चिट्ठी महीपाल सिंह ने भेजी थी। चिट्ठी में अखबार के लिए कविता भेजने को लिखा था।
(ख) साप्ताहिक अखबार बत्तीस पेज का था। उसमें गाँव की ही बातें की गई थीं।
(ग) अखबार निकालने से पहले महीपाल सिंह फौज में नौकरी करते थे।
(घ) लेखक को महीपाल सिंह की लिखावट बहुत पसंद थी लेकिन जब वह महीपाल सिंह से मिला तो देखा कि उनका दायाँ हाथ नहीं था। इसलिए आश्चर्यचकित रह गया।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) iii, (घ) i

3. (क) चिट्ठियाँ, (ख) अनायास, लिखावट, (ग) अखबार, (घ) बारात, (ङ) मन, (च) शादी, (छ) बचपन, निसान

4.

चिट्ठी	लिखावट
अखबार	निशाना
सुंदर	संपादक
सटीक	अलमारी
रचनाएँ	लिफ़ाफा

5. (क) चिट्ठी में संपादक के हस्ताक्षर थे। उनका नाम महीपाल सिंह था।
(ख) चिट्ठी की लिखावट देखकर लेखक के मुँह से निकला वाह बड़ी सुंदर लिखावट है।
(ग) लेखक ने अपनी रचनाएँ अखबार में छपवाईं।
(घ) महीपाल सिंह की चिट्ठियाँ समय-समय पर लेखक के पास आती रहती। वे कभी कविता माँगते और कभी कहानी माँगते। लेखक बराबर उनकी इच्छाओं की पूर्ति कर दिया करता। इस कारण दोनों के मन में एक-दूसरे के लिए प्रेम पैदा हुआ।
(ङ) संपादक महोदय अपने बाएँ हाथ से लिखते थे।
(च) महीपाल सिंह से लेखक ने प्रश्न पूछा कि वे कब से बाएँ हाथ से लिख रहे हैं। यह सुनकर वह सोच में पड़ गए।
(छ) एक बार महीपाल सिंह मोर्चे पर थे तो पास ही में एक बम फटा और उनका दाहिना हाथ कंधे तक उड़ गया और वह गिर पड़े।
(ज) महीपाल सिंह के पढ़ने-लिखने का इंतजाम सरकार ने किया।
(झ) संपादक महोदय ने अलमारी से अपनी लिखी रचनाएँ निकालीं।

6. (क) मेरे रिपोर्ट कार्ड पर पिता जी ने हस्ताक्षर कर दिए हैं।
(ख) बैंकों में कल साप्ताहिक अवकाश है।
(ग) राम का रेस में जीतना एक संयोग था।
(घ) संगीता के बगीचे को देखकर हम आश्चर्यचकित रह गए।
(ङ) मैच का परिणाम हमारे पक्ष में रहा।

7. (क) महा + उत्सव (ख) तिलक + उत्सव
(ग) वसंत + उत्सव (घ) होलिका + उत्सव

8. (क) आरंभ (ख) घृणा
(ग) प्रश्न (घ) भीतरी
(ङ) अस्वस्थ (च) अप्रत्यक्ष
(छ) बदसूरत (ज) उधर
(झ) दायाँ (ञ) बाहर

9. (क) कविता अखबार में छपी।
(ख) चिट्ठी की लिखावट बड़ी सुंदर थी।
(ग) संपादक का नाम महीपाल सिंह था।
(घ) मेरा नाम अखिलेश शर्मा है।
(ङ) मैं महीपाल सिंह के साथ चाय पीने लगा।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 दादी माँ

1. (क) दादी माँ रामी की चाची पर बिगड़ रही थीं।
(ख) क्योंकि उसे बुखार था।
(ग) राघव लेखकर का ममेरा भाई था।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) iii

3. (क) शक्तिधारी, माथे, (ख) दवाओं, (ग) कुनैन, तिताई, (घ) अनुपस्थिति, विलंब, (ङ) वात्याचक्र

4. (क) लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ बचपन की अनेक बातों की याद आईं जब वह सूरज की गर्मी में क्वार के दिनों में झाग भरे जलाशयों में धमाके से कूद रहा था। पर दो दिन में नहा-धोकर बीमार हो गया दादी माँ आईं उन्होंने चबूतरे की मिट्टी मुँह में डाली माथे पर लगाई दिन भर चारपाई के पास बैठी रहती, कभी पंखा झलती। कभी दाल-चीनी का लेप करती और बीसों बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करती।
(ख) दादा जी की मृत्यु के बाद दादी माँ के मना करने पर भी पिताजी ने अतुलसंपत्ति व्यय की वह घर की नहीं थी। इसलिए आर्थिक स्थिति खराब रहने लगी।
(ग) दादी माँ का दयामयी वात्सल्य से पूर्ण स्वभाव सबसे अच्छा लगा क्योंकि उनके स्वभाव से प्रेम के साथ-साथ कुछ सीखने को भी मिलता है।

5. (क) अनुकूल (ख) भारी
(ग) उष्णता (घ) असाधारण
(ङ) साधारण (च) शाप

6. (क) च् + ई + न् + ट् + इ + य् + ओं
(ख) ध् + उँ + ध + अ + ल् + ई
(ग) अ + न् + उ + प् + अ + स् + थ् + इ + त् + इ
(घ) आ + श् + ई + र् + व् + आ + द् + अ

7. (क) कॉफी – मेहमानों के लिए चाय नहीं, कॉफी बनाना।
(ख) डॉल – यह डॉल मुझे मेरे दादाजी ने मेरे जन्मदिन पर दी थी।
(ग) फुटबॉल – मेरे भाई को फुटबॉल खेलना अच्छा लगता है।
(घ) मॉल – मेरे घर के पास ही एक मॉल खुलने वाला है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 अनोखा पुरस्कार

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) i, (घ) i, (ङ) i

3. (क) अँधेरा, (ख) दिशाएँ, आतंक, (ग) सच्चे, डर, (घ) रात, दूर, (ङ) लापरवाही, (च) पदवी, प्रसन्नता

4. (क) राजा ने स्वयं से कहा
(ख) राजा ने स्वयं से कहा
(ग) वनरक्षक ने राजा से कहा
(घ) सरदार ने राजा से कहा

5.

रात का	अँधेरा
बढ़िया-बढ़िया	चमकीले कपड़े
वनरक्षक	पुंडरीक
राजा ने	बंदूक चलाई
तलवार	प्रसन्नता का चिह्न

6. (क) ✗, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓

7. (क) राजा जंगल से बाहर निकलकर एक रास्ते के किनारे खड़ा था।
(ख) घना अँधेरा होने के कारण राजा की बुद्धि काम नहीं कर रही थी कि वह किधर जाए।
(ग) सच्चे आदमी को किसी भी प्रश्न का उत्तर देने में डर नहीं लगता है।
(घ) राजा पुंडरीक की झोंपड़ी में एक रात रहना चाहता था इसलिए उसकी ओर एक रुपया बढ़ाया।
(ङ) सरदार ने वनरक्षक को बताया कि वह बहुत देर से महाराज को ढूँढ़ रहा है। यह सुनकर वनरक्षक चकित रह गया।
(च) राजा ने पुंडरीक को एक हजार रुपये सालाना पुरस्कार जीवन भर के लिए दिया और महाराज ने कहा कि मैं तुम्हारे जैसे नेक और सच्चे आदमियों के सम्मान का ऋणी हूँ।

8. (क) जंगल में बहुत-से हिंसक पशु रहते हैं।
(ख) आदमी को कभी घमंड नहीं करना चाहिए।
(ग) दोनों में मामूली सी बात पर कहा-सुनी हो गई।
(घ) रानी को अपनी सुंदरता पर बहुत अभिमान था।
(ङ) राजा वन में शिकार खेलने गया।
(च) विश्वास की डोर एक बार टूटी तो फिर नहीं जुड़ती।
(छ) सच बोलने वाले का सब जगह सम्मान मिलता है।

9.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	रंग-बिरंगी	तितलियाँ
(ख)	सात मीटर	फीता
(ग)	चार किलो	आम
(घ)	पाँच मीटर	कपड़ा
(ङ)	पीली	साड़ी

10. (क) उजाला (ख) अपमान
(ग) घटना (घ) रंक
(ङ) दक्षिण/जवाब (च) पास
(छ) घटिया (ज) शत्रु

11. (क) मैंने, (ख) मैं, (ग) डाकू, (घ) राजा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

BOOK-8

पाठ-1 ठुकरा दो या प्यार करो

1. (क) कवयित्री ने पूजा और पुजापा स्वयं को कहा है।
(ख) भगवान भक्तों से समर्पित भाव की अपेक्षा रखते है।
(ग) भगवान भेंट का भूखा नहीं होता है बल्कि आस्था का भूखा होता है।
(घ) भगवान को प्रसन्न रखने के लिए भक्त को अपने स्वभाव को सरल रखना चाहिए।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) iii

3. (क) कवयित्री कहती है कि उसके पास समर्पित करने को या दान-दक्षिणा देने को कुछ बहुमूल्य उपहार या भेंट नहीं है अत: प्रभु पूजा-पुजापा, दान-दक्षिणा जो कुछ भी है, वह मैं स्वयं हूँ और पूर्णतया आपके समक्ष समर्पित हूँ।
(ख) कवयित्री कहती है कि मुझे ईश्वर से प्रेम है और मैं उसी प्रेम से भरी हृदय को अपने प्रभु को दिखाने आई हूँ। प्रेम, भक्ति और श्रद्धा जो कुछ भी मेरे पास है, मैं उसको समर्पित करने आई हूँ।

4. (क) उपासक मंदिर में बहुमूल्य भेंट ले जाते हैं।
(ख) कवयित्री के पास पूजा की धूप-दीप, नैवेद्य, शृंगार, फूल, माला आदि वस्तुओं का अभाव हैं।
(ग) कवयित्री प्रेममग्न हो मंदिर में अपना प्रेम से भरा हृदय दिखाने और चढ़ाने आई है।
(घ) कवयित्री ने स्वयं को स्वीकार करने अथवा ठुकराने के लिए कहा है।
(ङ) इस कविता की कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान हैं।

5. पुजारी, पुष्प, वाणी, बोली, हस्त, तरीका

6. (क) सच बोलने का साहस किसी में नहीं है।
(ख) सब से प्रेम का व्यवहार करना चाहिए।
(ग) स्वामी जी के चरण इस घर में पड़े हैं।

(घ) मंदिर में सब बहुमूल्य उपहार लेकर आते हैं।

(ङ) प्रधानाचार्य ने अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया।

7. वाणी–स्त्रीलिंग, उपासक–पुल्लिग, मंदिर–पुल्लिग, मुक्तामणि–स्त्रीलिंग, दीप –पुल्लिग, फूल–पुल्लिग, चरण–पुल्लिग, नाथ–पुल्लिग, पुजारिन–स्त्रीलिंग,

8. चतुर, गरीब, साहसी

9. (क) कर्म कारक, (ख) अधिकरण कारक

10. मामूली, अमीर, डर, कड़वाहट, मूर्खता, अधीर, अवगुण, परमार्थ, पशुता

11. मंदिर–संज्ञा, नाथ–संज्ञा, बहुमूल्य–विशेषण, गरीबनी–संज्ञा, ठुकराना–क्रिया, सुगंध–संज्ञा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 तीर्थयात्रा

1. (क) लाजवंती को हेमराज की चिंता रहती थी।

(ख) हेमराज का रंग–रूप साधारण बालकों–सा ही था।

(ग) सच्चा सुख त्याग में ही है।

(घ) उसने दुपट्टे के आँचल से अठन्नी निकाली और वैद्य जी को भेंट कर दी।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) i, (घ) iii

3. (क) हेमराज; (ख) लाजवंती; (ग) दुर्गादास वैद्य; (घ) अठन्नी, वैद्य; (ङ) रामलाल; (च) तीन महीने बाद; (छ) हृदय; (ज) त्याग

4.

लाजवंती	पैसे ले लिए।
उन्होंने	दूध दुह रही थी।
आशा के साथ	निराशा भी थी।
आज की रात	बड़ी भयानक है।
तीर्थयात्रा की	तैयारी करो।
सच्चा सुख	त्याग में ही है।

5. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✗; (च) ✗

6. (क) लाजवंती ने वैद्य से; (ख) वैद्य ने लाजवंती से; (ग) वैद्य ने लाजवंती से; (घ) वैद्य ने लाजवंती से; (ङ) हरो ने लाजवंती से; (च) हरो ने लाजवंती से

7. (क) लाजवंती के यहाँ कई पुत्र पैदा हुए मगर सबके सब बचपन में ही मर गए। आखिरी पुत्र हेमराज उसके जीवन का सहारा था। उसका मुँह देखकर वह पहले बच्चों की मौत का दुख भूल जाती थी। यद्यपि हेमराज का रंग–रूप साधारण बालकों–सा ही था मगर लाजवंती की आँखों में वैसा बालक सारे संसार में न था।

(ख) हेमराज की आँखों में आँसू डबडबा आए, रुक–रुक कर बोला—"सिर में दर्द हो रहा है..... बहुत दर्द हो रहा है।"

बात साधारण थी, मगर लाजवंती का नारी–हृदय काँप गया। इसलिए वह घबराकर वैद्य जी को बुला लाई।

(ग) क्योंकि बुखार सख्त था और हानिकारक भी हो सकता था।

(घ) जब वैद्य जी ने नाड़ी देखी तो घबराकर बोले—"आज की रात बड़ी भयानक है। सावधान रहना, बुखार एकाएक उतरेगा।" लाजवंती और रामलाल दोनों के प्राण सूख गए। लाजवंती के हृदय को चैन न था। इसलिए वह मंदिर पहुँची और देवी के सामने गिरकर देर तक रोती रही। और काँपते हुए स्वर में मन्नत माँगी—"देवी माता! मेरा हेम बच जाए तो मैं तीर्थयात्रा करूँगी।"

(ङ) हरो की चिंता का कारण था कि जेठ ने दो सौ रुपये के गहने कपड़े बन वा दिए मगर मिठाई आदि का कोई प्रबंध नहीं किया और अब मैं बारात के सामने क्या धरूँगी। कहीं इस वजह से मेरी बेटी कुँवारी न रह जाए।

(च) हाँ, क्योंकि सच्चा सुख त्याग में ही है।

8. (क) रीता की आँखों से आँसू टपक रहे थे।

(ख) रमेश बहुत अनुभवी है।

(ग) नेहा बहुत प्रसन्न हुई।

(घ) राम ने तीर्थयात्रा की।

(ङ) गगन का हृदय काँप उठा।

9. (क) निराशापूर्ण वातावरण—गीता की आँखों के आगे अँधेरा छा गया।

(ख) चेहरा मुरझा जाना—रमेश के अंक देखकर माता–पिता का चेहरा उतर गया।

(ग) बहुत प्रिय होना—अंकित अपनी माँ का गले का हार है।

(घ) भरसक प्रयास करना—राम ने परीक्षा में प्रथम आने के लिए आकाश–पाताल एक कर दिया।

(ङ) धोखा देना—मीरा ने निशा को चकमा दिया।

10. लाभदायक, आशा, कृतघ्न, धीर, असफल, अंदर, असाधारण, बुरा, दिन

11. धावा, सचेत, मौसम, अवधि, बेटा, उर, बेचैन, चिकित्सक, बेखबर

12. झोंके, आँखें, बालकों, स्त्रियाँ, पुत्रों, पैरों, हथेलियाँ, मंदिरों, मालाएँ

13. (क) यह पुस्तक मैं पढ़ रहा हूँ।

(ख) सभी देशों से राजकुमार आए थे।

(ग) कल हमारे विद्यालय में मंत्रीगण आ रहे हैं।

(घ) रावण बहुत दुर्जन राक्षस था।

(ङ) रीता गुनगुने पानी से नहाती है।

(च) निराला बहुत प्रसिद्ध कवि थे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 सात सहेलियाँ

1. (क) भारत के पूर्व में एक ही क्षेत्र में सात प्रदेश हैं।

(ख) अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा।

(ग) हिमालय की शृंखला कश्मीर से पूर्व तक लगभग 1500 मील लंबी है।

2. (क) iii, (ख) iii

3.

पहाड़ों में दूरी के कारण	लकड़ी के खंभों पर बनते हैं।
अधिक वर्षा के कारण	पूरा प्रदेश खुशियाँ मनाता है।
लकड़ी और बाँस	उनकी भाषा, पोशाक विशिष्ट हो जाता है।
पहाड़ पर मकान	यहाँ के जीवन का मूल आधार है।
बिहू त्योहार के अवसर पर	पहाड़ों पर वनों का विकास हो जाता है।

4. (क) भारत के पूर्व में एक ही क्षेत्र में सात प्रदेश हैं। इन प्रदेशों को अंग्रेजी में 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है। हम इन्हें हिंदी में सात सहेलियाँ कह सकते हैं।

(ख) ये सारे प्रदेश पहाड़ी हैं। आप जानते हैं कि हिमालय की शृंखला

कश्मीर से पूर्व तक लगभग 1500 मील लंबी है। हिमालय के पूर्वी छोर में ये सारे प्रदेश स्थित हैं। पहाड़ों में मैदान की तरह घर कतार में नहीं बने होते। दो पहाड़ों के बीच जो छोटी-सी घाटी है, उसी में आबादी बसती है। इस कारण एक घाटी से दूसरी घाटी तक पहुँचना अत्यंत कठिन काम होता है। अत: हर घाटी के लोग दूसरी घाटियों से कटे होते हैं। इस दूरी के कारण उनकी भाषा, उनकी पोशाक, उनका रहन-सहन सब विशिष्ट हो जाता है।

(ग) संयोग की बात है कि चाय की खेती के लिए पहाड़ सबसे उत्तम हैं। उसे नियमित रूप से पानी चाहिए, लेकिन उसकी जड़ों में कभी पानी जमा नहीं होना चाहिए। इसलिए पहाड़ की ढलान में ही चाय के लिए सीढ़ियों की तरह चारों ओर क्यारियाँ बनाई जाती हैं।

5. असामान्य, बड़ी, ज्यादा, पुराना, अनर्थ, अनेक

6. विशेषताएँ, संस्कृतियाँ, भाषाएँ, जनजातियाँ, व्यवस्थाएँ, शैलियाँ, संभावनाएँ, खुशियाँ, उपलब्धियाँ

7. (क) जाने की आवश्यकता होती है।
(ख) खेत में सिंचाई करने से फसल अच्छी होती है।
(ग) दर्द के कारण लिखा नहीं जा रहा है।
(घ) यहाँ गाड़ी नहीं चल पा रही है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 नन्हा-सा वीर

1. (क) स्टेशन के बाहर चायवाला खोखा लगाकर बैठा थे।
(ख) माँ के कहने पर हमने चाय पीने का निश्चय किया।
(ग) लेखक अपने परिवार के साथ सालासर जा रहा था।
(घ) स्वयं कीजिए।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii, (घ) i

3. (क) खाया, इधर-उधर, (ख) भाई, पॉलिश, (ग) चतुर, संसार, (घ) दौड़ना, हिलाकर, (ङ) स्वाभिमान, लालसा

4.

रतनगढ़	स्टेशन
दर्शन	बालाजी
पॉलिश	जूते
छोटा लड़का	लेखक
बाबू जी	स्वाभिमानी

5. (क) लड़के ने लेखक से कहा
(ख) लेखक ने लड़के से कहा
(ग) लेखक ने अपने मन में कहा

6. (क) जिस उम्र में बच्चे पढ़ते-खेलते हैं, उस में कुछ बालकों को अपनी परिस्थिति और आवश्यकता के कारण मजदूरी (कार्य) करनी पड़ती है और वे अपेक्षाकृत समझदार व चतुर बन जाते हैं।

(ख) उपर्युक्त वाक्य में व्यक्ति के गुण के विपरीत उनके नामों के विषय में कहा गया है। जैसे बालक का नाम दीनानाथ है और उसके पास खाने को राटी तक नहीं है। इसके विपरीत किसी सेठ का नाम गरीबदास हो सकता है जो महलों में निवास करता है।

7. (क) दर्शन के लिए लेखक के साथ उसकी माँ, छोटी बहन और छोटा भाई भी था।
(ख) बस अड्डा ज्यादा दूर नहीं था इसलिए सब पैदल ही चल पड़े।
(ग) लेखक का परिवार रतनगढ़ होते हुए इसलिए जा रहा था क्योंकि सालासर के लिए दिल्ली से सीधी रेल न मिल पायी थी अत: उनको रतनगढ़ होते हुए जाना पड़ा।
(घ) लड़के ने लेखक से कहा कि अगर जूते पॉलिश करवा लोगे तो जो पैसे मिलेंगे उनसे मैं अपनी माँ को कुछ खाना खिला दूँगा यह सुनकर लेखक का दिल पसीज गया।
(ङ) लड़का स्टेशन से थोड़ी दूर झोंपड़ी में रहता था। उसकी माँ बर्तन माँजती थी।
(च) लड़के ने बताया कि उसके पिता नहीं हैं।
(छ) दूसरी बार जूते पॉलिश करते समय लड़का इसलिए चुप रहा क्योंकि उसने लेखक के हाथ में सौ रुपये का नोट देख लिया था और वह समझ गया था कि वह उसे देना चाहता है।
(ज) लड़के की माँ का इलाज सरकारी डिस्पेंसरी से चल रहा था।
(झ) लड़के की पेटी बैंच के समीप रखी थी। लेखक को देखते ही लड़का उछल पड़ा।
(ञ) लड़के के चेहरे के बारे में लेखक ने बताया कि लड़का कितना तेज था, उस चेहरे में कितना स्वाभिमान था, कितनी आत्म-निर्भर रहने की लालसा थी। सचमुच वह एक नन्हा-सा वीर था।

7. (क) उन्होंने कल ही घर छोड़ने का निश्चय कर लिया था।
(ख) सारा सामान इधर-उधर फैला पड़ा है।
(ग) मामा जी की हर बात में एक व्यंग्य होता है।
(घ) नौकर की बात सुनकर सभी क्रोधित हो गए।
(ङ) मुझे तुम्हारे धन की कोई लालसा नहीं हैं।
(च) व्यक्ति को अपनी स्वाभिमान की रक्षा करनी चाहिए।
(छ) राणा प्रताप वीरता का अनूठा उदाहरण हैं।
(ज) शर्मा जी हमारे घर के नजदीक ही रहते हैं।

8. (क) लिखते-लिखते उन्हें ध्यान आया।
(ख) वे लोग बाजार गए हैं।
(ग) इस विषय में मैं अपना मत पहले ही बता चुका हूँ।
(घ) ये सब वस्तुएँ ले आओ।
(ङ) केवल तुम ही मेरे सच्चे शिष्य हो।
(च) किसी से ये मत कहना।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 खितीन बाबू

1. (क) खितीन बाबू हँसमुख और मिलनसार थे।
(ख) हँसमुख स्वभाव और मिलनसार होने के कारण सब उनकी प्रशंसा करते थे।
(ग) खितीन बाबू की टाँग एक रेल दुर्घटना में कट गई थी।
(घ) स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) i, (घ) ii

3. (क) आस्तीन , जोड़, (ख) हँसमुख, प्रशंसा, (ग) अवयव, शक्ति, (घ) बैठे, कौन-सा व्यंजन, (ङ) शौकीन, आचार्य

4.

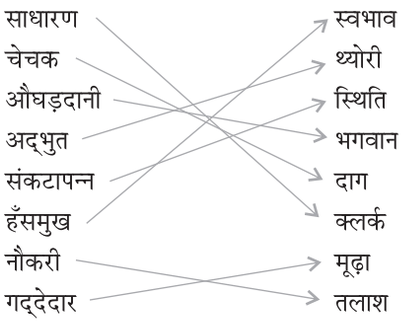

5. (क) खितीन बाबू ने लेखक से कहा
(ख) लेखक ने गृहपत्नी से पूछा
(ग) गृहपत्नी ने लेखक से कहा
(घ) मित्र पत्नी ने खितीन बाबू से कहा
(ङ) खितीन बाबू ने लेखक से कहा

6. (क) खितीन बाबू का चेहरा न सुंदर था न असाधारण न वह बड़े आदमी ही थे, साधारण पढ़े-लिखे, साधारण क्लर्क। चेचक के दाग से भरे-चेहरे पर आँख गायब थी।
(ख) खितीन बाबू की बाँह पेड़ से गिरने पर टूट गई थी।
(ग) लेखक इसलिए झिझक गया क्योंकि किसी की असमर्थता की ओर इशारा भी उसे असमंजस में डाल देता है।
(घ) दोनों पैर, दोनों हाथ और एक आँख न होने के अतिरिक्त और भी छोटी-मोटी परेशानियों के बावजूद खितीन बाबू की सकारात्मक सोच देखकर पता चलता है कि उनमें कहीं भी अधूरेपन की पंगुता की झाई नहीं थी।
(ङ) लेखक खितीन बाबू से तीसरी बार मिले तो उन्होंने देखा कि वो दूसरी बाँह भी खो चुके थे।
(च) लेखक ने गृहपत्नी से पूछा कि वह क्या बना रही हैं। गृहपत्नी ने लेखक के प्रश्न का उत्तर दिया कि मैं क्या बना रही हूँ बना तो खितीन दा रहे हैं।
(छ) मानव-जीवन की मौलिक प्रतिज्ञा केवल मानव का अदम्य अटूट संकल्प है।

7. (क) गुस्से के कारण उनका चेहरा लाल हो गया।
(ख) आज एक साधारण-सा व्यक्ति दुकान पर आया।
(ग) केशव के कार्य की बहुत प्रशंसा हुई।
(घ) मयंक मेरे बचपन का दोस्त है।
(ङ) बाढ़ की सूचना पहले ही दे दी थी।

8. (क) राम ने पाठ याद किया।
(ख) माली ने पौधों को पानी दिया।
(ग) नीलम पुस्तक पढ़ती थी।
(घ) रमन ने पत्र लिखा।
(ङ) नवीन मेरे लिए फल लाया था।

9. क्लर्क, ऋतु, जनमानस, प्रशंसा, उत्साह, शौकीन, थ्यौरी, प्रेतात्मा

10. (क) उनकी, (ख) उसका, (ग) मैंने, (घ) वह,

11. क्लर्क, प्रेतात्मा, दर्द, प्रकार

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 सेवा ही सौंदर्य है

1. (क) सेवा मानव-जीवन का सौंदर्य और शृंगार है। सेवा न केवल मानव-जीवन की शोभा है, अपितु भगवान की सच्ची पूजा भी है। मानव-जीवन का सच्चा उपयोग सेवा और परोपकार में है। सेवा धर्म बड़ा गहन है। सेवा द्‌वारा मनुष्य का अंत:करण जितना जल्द निर्मल, शुद्‌ध एवं पवित्र होता है, उतना किसी और से नहीं।
(ख) दान देने से स्वार्थ बुद्‌धि दूर होकर आत्मतत्त्व का विकास होता है।
(ग) नहीं, सिर्फ पेट पालना ही जीवन का उद्‌देश्य नहीं है।
(घ) स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) iii, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) परोपकार, (ख) परोपकार, रूप, (ग) पेट पालना, मानवता, (घ) ईश्वर प्राप्ति

4. (क) लेखक के अनुसार हमें मानव सेवा करते हुए धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए।
(ख) मानव सेवा करना ही मानवता है।
(ग) रहीम ने कहा—'देने हारा और है, जो देता दिन-रैन। लोग भरम हम पै करें, या विधि नीचे नैन।।'
(घ) क्योंकि यही मानवता का धर्म है।
(ङ) मानव-मात्र में जब तक परोपकार, सेवा, दया, दान जैसी भावनाएँ विद्‌यमान रहेंगी तब तक मनुष्य, राष्ट्र और विश्व का कल्याण होता रहेगा।

5. (क) दया + आनंद, (ख) सौं + दर्य, (ग) मनुष्य + त्व, (घ) अत: + करण, (ङ) महा + अनुभव

6. (क) बेकार, खराब, (ख) उपकार, भलाई, (ग) ईश्वर, प्रभु, (घ) घमंड, गर्व, (ङ)

7. स्वार्थ, मरण, न्याय, नीचा, दुखी, झूठा, अयोग्यता, प्रेम

8. (क) स्वार्थी लोगों का मन परोपकार में नहीं लगता।
(ख) प्रकृति का सौंदर्य मन को मोह लेता है।
(ग) भगवान हर जगह व्याप्त है।
(घ) कभी अपनी सफलता पर अभिमान मत करो।
(ङ) पानी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए।
(च) देर से मिला न्याय अन्याय के समान है।

9. (क) मैं कल अपनी नानी के यहाँ जा रहा हूँ।
(ख) तुम कब आए?
(ग) जैसे-तैसे करके उसने मेरे पैसे लौटा दिए।
(घ) वह स्वयं चला गया था।
(ङ) यह मेरा घर है।
(च) उसे समझाओ नहीं तो वह कहीं का नहीं रहेगा।
(छ) तुम्हारे साथ कौन आया है?

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 परिंदे की फ़रियाद

1. (क) परिंदे को गुजरा जमाना याद आता है।

(ख) परिंदे को पिंजरे में कैद कर लिया गया है।

2. (क) ii, (ख) iii, (ग) iii, (घ) i

3. आता है याद मुझको गुजरा हुआ जमाना
वह बाग की बहारें, वह सबका चहचहाना
आजादियाँ कहाँ वह अपने घोंसले की
अपनी खुशी से आना, अपनी खुशी से जाना
लगती है चोट दिल पे, आता है याद जिस दम
शबनम के आँसुओं पर कलियों का मुसकराना

4. (क) कवि कहना चाहता है कि पक्षी पिंजरे में कैद स्वयं को बदनसीब कह रहा है क्योंकि वह अपने घर को तरस रहा है जहाँ उसके परिजन और संगी साथी हैं।

(ख) कवि कह रहा है कि पक्षी का चमन अर्थात् घर छूटा है, उसे एक पल भी खुशी का नहीं मिला है। वह लगातार अपने दु:ख पर रोए जा रहा है।

5. (क) कैदी को अपना गुजरा जमाना याद आ रहा है, उसको बाग की बहारें और सबका चहचहाना याद आता है। उसकी आजादी से अपने घोंसले में आना-जाना याद आता है।

(ख) कैदी को डर है कि कहीं वो अपने पिंजरे में गम के कारण मर न जाए।

(ग) प्रस्तुत कविता में तोता अपनी फरियाद सबको सुनाता है और पिंजरे में कैद होने का गम सुनाता है। इसलिए यह शीर्षक एकदम उचित है।

6. (क) मेरी भानजी बड़ी प्यारी-प्यारी बातें करती है।

(ख) शर्मा जी ने बड़ी मेहनत से ये अशियाना बनाया है।

(ग) बेचारी बचपन से ही बड़ी बदनसीब रही है।

(घ) चाचा जी ने सारे पक्षी आजाद कर दिए।

7. बेज़ुबाँ, फ़रियाद, आज़ादी, कफ़स

8. (क) ओस, (ख) भाग्य, तकदीर, (ग) नीड़, बसेरा, (घ) उपवन, बगीचा, (ङ) स्वतंत्रता, स्वच्छदता, (च) परेशानी, पीड़ा

9. खुश, आजाद, बदनसीब, रिहा, प्यारा, अंधकार

10. (क) स्त्रीलिंग, (ख) पुल्लिग, (ग) पुल्लिग, (घ) पुल्लिग, (ङ) स्त्रीलिंग

11. (क) संबंध, (ख) करण, (ग) अधिकरण, (घ) करण, (ङ) कर्म

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 जामुन का पेड़

1. (क) रात को जोर का झक्कड़ चलने पर जामुन का पेड़ गिर गया।

(ख) आदमी को देखकर सुपरिटेंडेंट सोच में पड़ गए कि वह जिंदा है या मर गया है।

(ग) जामुन के नीचे दबे हुए व्यक्ति की फाइल पूर्ण हो चुकी थी क्योंकि वह मृत्यु को प्राप्त हो चुका था।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) मिनटों, इकट्ठी, (ख) बच्चे, (ग) हार्टिकल्चर, व्यंग्यपूर्ण, (घ) प्लास्टिक, (ङ) स्वास्थ्य

4.

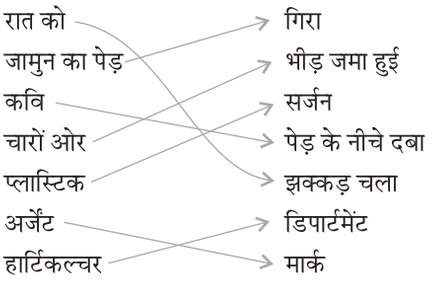

5. (क) एक क्लर्क ने कहा

(ख) माली ने कहा

(ग) दबा हुआ आदमी बोला

(घ) सुपरिटेंडेंट बोला

(ङ) माली ने दबे हुए आदमी से पूछा

6. (क) पेड़ के नीचे दबे आदमी को देखकर माली दौड़कर चपरासी के पास गया मिनटों में गिरे हुए पेड़ के नीचे दबे हुए आदमी के चारों ओर भीड़ इकट्ठी हो गई।

(ख) जामुन के पेड़ को गिरा देख पहले क्लर्क ने कहा कि बेचारा जामुन का पेड़ कितना फलदार था।

(ग) तीसरे क्लर्क ने रुआँसा होकर कहा कि मैं इसके फल झोली भरकर ले जाता था। मेरे बच्चे इसकी जामुन कितनी खुशी से खाते थे।

(घ) पेड़ के नीचे दबे आदमी का उपनाम 'ओस' था। वह एक कवि था।

(ङ) हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट से यह जवाब आया कि आश्चर्य है, हम लोग पेड़ लगाओ स्कीम चला रहे हैं और हमारे देश के अफसर पेड़ काटने का सुझाव दे रहे हैं। वह भी फलदार जामुन के पेड़ को।

7. (क) रात्रि, निशा, रजनी, (ख) प्रात:, सवेरा, भोर, (ग) मनुष्य, व्यक्ति, मानव, (घ) वृक्ष, तरु, पादप, (ङ) आशा, अपेक्षा, आस

8. (क) तुम मेरे पास बैठो।

(ख) अशिक्षा के कारण व्यक्ति पशु समान है।

(ग) तुम राधा के स्कूल जाना।

(घ) मेरा घर बहुत दूर है।

(ङ) पेड़ पर एक बंदर है।

9. (क) मेरा सुझाव है कि तुम वहाँ मत जाओ।

(ख) मुझे अजय की सोच पर ताज्जुब होता है।

(ग) पिताजी व्यापार के सिलसिले में चंडीगढ़ आते-जाते रहते हैं।

(घ) फैसला तुम्हारा है कि तुम यहाँ रहना चाहते हो या नहीं।

(ङ) वातावरण दूषित होने के कई कारण हैं।

10.

(क) रात	को जोर का झक्कड़ चला।
(ख) माली	ने सुझाव दिया।
(ग) चपरासी	दौड़कर क्लर्क के पास गया।
(घ) मैं	जिंदा हूँ।

11. शल्य, दस्तावेज, विभाग, बगीचा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 शून्य का आविष्कार

1. (क) आज हम दस चिह्नों से सारी संख्याएँ लिखते हैं।

(ख) संख्या की पंक्ति में हर अंक का मान स्थान के अनुसार निर्धारित

होता है।

उदाहरण के लिए – 2 का अर्थ है दो वस्तुएँ। परंतु संख्या 21 में इस 2 का अर्थ होगा बीस वस्तुएँ। संख्या 43258 में दो का अर्थ होगा 200।

(ग) पुराने जमाने में लेख खुदवाए जाते थे। राजा या धनी लोग दान देते थे। दान की बातें ताँबे के पत्रों पर लिख दी जाती थीं। इन ताम्रपत्रों पर शब्दों में और कभी-कभी अंकों में भी तिथि डाली जाती थी। ऐसे ही एक दानपत्र में हमें पहली बार इस नई पद्धति के अंक देखने को मिलते हैं।

(घ) पहली बार आठवीं सदी के एक दानपत्र में शून्यवाली संख्या मिली है।

(ङ) आचार्य पिंगल ने पिंगल छंद सूत्र ग्रंथ की रचना की।

2. (क) i, (ख) iv, (ग) ii, (घ) ii

3. (क) दैवी चमत्कार, (ख) खुदवाए, (ग) जयवर्धन द्वितीय, (घ) शून्य, (ङ) 1 से 10

4. (क) हमारे देश में सदी तक पुरानी अंक पद्ति को ही महत्त्व दिया जाता रहा। इस कारण इतना लंबा समय गुजर जाने पर भी हजारे देश ने उसे जल्दी स्वीकार नहीं किया।

(ख) शून्य अंक वाली धारणा कोई चमत्कार नहीं बल्कि एक खोज थी जो धीरे-धीरे व्यवहार में आ रही थी।

5. (क) क्योंकि खुदाई में प्राप्त प्राचीन काल के कुछ अवशेषों में यह अंक पद्धति देखने को नहीं मिली।

(ख) पुराने जमाने में लेख खुदवाए जाते थे। राजा या धनी लोग दान देते थे। दान की बातें ताँबे के पत्रों पर लिख दी जाती थीं। इन ताम्रपत्रों पर शब्दों में और कभी-कभी अंकों में भी तिथि डाली जाती थी।

(ग) ईसा की पहली शताब्दी से कुछ साहसी भारतीय जावा, सुमात्रा, कंबोडिया आदि देशों में जाकर बसने लग गए थे। वहाँ उन्होंने राजवंश भी स्थापित किए थे। वहाँ ब्राह्मण व बौद्ध धर्म पहुँचा; भारतीय भाषाएँ पहुँचीं।

(घ) पिंगल छंद सूत्र नाम का एक ग्रंथ है। ईसा से सौ दो सौ साल पहले आचार्य पिंगल ने इस ग्रंथ की रचना की थी। पद्य छंदों में लिखे जाते हैं। छंदों के लिए मात्रा आदि का हिसाब जानना पड़ता है। इस ग्रंथ में मात्राओं के इसी प्रकार के हिसाब सूत्रों में दिए गए हैं। ग्रंथ में 'द्विरदधें', 'रूपे शून्यम', 'द्विः शून्ये' आदि सूत्र आते हैं। हिसाब कुछ ऐसा है कि यहाँ 'अभाव' या 'घटाने' के अर्थ में शून्य का इस्तेमाल हुआ है। यह भी पता चलता है कि पिंगल के समय में शून्य के लिए कोई सांकेतिक चिह्न रहा होगा।

(ङ) जैन ग्रंथ 'अनुयोगद्वार-सूत्र' में 'अंकस्थान' शब्द आया है, जो अंकों के स्थानमान अर्थवाला हो सकता है।

(च) करीब नब्बे साल पहले पेशावर जिले के भक्षाली गाँव में एक किसान को भोजपत्र पर लिखी हुई गणित की एक पोथी मिली थी। अब यह भक्षाली-हस्तलिपि के नाम से प्रसिद्ध है। यह दसवीं सदी की शारदा लिपि में लिखी हुई है। यह किसी पुरानी पुस्तक की प्रतिलिपि है। कुछ विद्वानों का मत है कि मूल पुस्तक तीसरी या चौथी सदी में लिखी गई होगी। इस हस्तलिपि में 1 से 10 तक अंक-संकेत हैं। नई अंक-पद्धति का इस्तेमाल हुआ है। शून्य के लिए बिंदी के आकार का चिह्न है।

(छ) आर्यभट्ट के समय (500 ई०) से गणित के सारे ग्रंथों में नई अंक-पद्धति का व्यवहार देखने को मिलता है, पर अंक नहीं हैं, इनमें अक्षरांक या शब्दांक हैं।

(ज) स्वयं कीजिए।

6. परतंत्र, अनिश्चित, नई, अस्वीकार

7. इत, ईय, ई, इक, ईय, इक

8. संख्याएँ, सूत्रों, अंकों, अभिलेखों, ग्रंथों, चिह्नों, गाँवों, वस्तुएँ

9. (ख) वैज्ञानिक, (ग) दार्शनिक, (घ) साहित्यिक, (ङ) हस्तलिपि

10. बीमार, कृपा, हिंदू, गृह

11. **अ + अ = आ**

(क) अक्षर + अंक, (ख) शब्द + अंक, (ग) शब्द + अंश, (घ) पृष्ठ + अंक, (ङ) रेखा + अंकन, (च) गुण + अंक

अ + उ = ओ

(क) गुण + उत्तर, (ख) सूर्य + उदय, (ग) पूर्व + उत्तर, (घ) गणेश + उत्सव, (ङ) वार्षिक + उत्सव, (च) लोक + उक्ति

12. (क) मेरा यह अर्थ बिल्कुल नहीं था।

कितना ही अर्थ इकट्ठा कर लो अंत में सब यहीं रह जाना है।

(ख) मम्मी चाचा जी का पत्र आया है।

पेड़ के सारे पत्र गिर गए।

(ग) यह अंक शब्दों में लिखो।

माँ ने पुत्र को अंक लगा लिया।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 योग्यता की पहचान

1. (क) नागार्जुन अपने जमाने के प्रख्यात रसायनशास्त्री थे।

(ख) जो व्यक्ति रसायनशास्त्र का ज्ञाता होता है, उसे रसायन शास्त्री कहते हैं।

(ग) रोगों के इलाज के लिए औषधियाँ काम आती हैं।

2. (क) i, (ख) ii, (ग) ii

3. (क) औषधियों, (ख) अवस्था, असमर्थ, (ग) चयन, सहायक, (घ) नागार्जुन, (ङ) नवयुवक, खामोश

4.

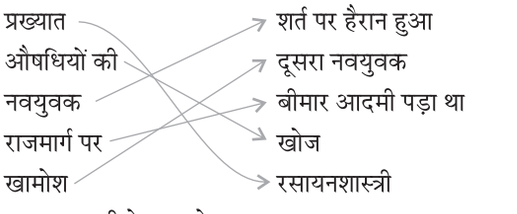

5. (क) रसायनशास्त्री ने राजा से कहा

(ख) राजा ने रसायनशास्त्री से कहा

(ग) पहले नवयुवक ने रसायनशास्त्री से कहा

(घ) रसायन शास्त्री ने दोनों नवयुवकों से कहा

(ङ) रसायन शास्त्री ने दूसरे नवयुवक से कहा

6. (क) नागार्जुन अपने जमाने के प्रख्यात रसायनशास्त्री थे उन्होंने अपनी सूझ-बूझ से अनेक असाध्य रोगों की औषधियाँ तैयार कीं।

(ख) नागार्जुन ने राजा से कहा कि राजन प्रयोगशाला का काम बहुत बढ़

चला है और अपनी अवस्था को देखते हुए मैं अधिक काम करने में असमर्थ हूँ। इसलिए मुझे अपने काम के लिए एक सहायक की आवश्यकता है।

(ग) राजा ने कहा कि वह उनके पास दो कुशल और योग्य नवयुवक भेज़ेंगे। उनमें से किसी एक का चयन अपने सहायक के रूप में कर लेना।

(घ) जब नागार्जुन ने कहा कि रसायन तैयार करने के लिए राजमार्ग से होकर जाना है। तो दोनों युवक हैरत में पड़ गए।

(ङ) नागार्जुन ने पहले युवक से पूछा कि क्या उसने रसायन तैयार कर लिया। युवक ने उत्तर दिया कि मैंने उस पदार्थ की पहचान करके रसायन तैयार कर लिया।

(च) दूसरे युवक ने उत्तर दिया कि जब मैं राजमार्ग से होकर गुजर रहा था तो मैंने देखा कि एक वृद्ध बीमार व्यक्ति पड़ा दर्द से कराह रहा था सब अपने रास्ते जा रहे थे। मुझसे उसकी यह दुर्दशा देखी नहीं गई, मैंने उसे अपने घर ले जाकर उसकी सेवा-चिकित्सा की इसलिए मैं रसायन तैयार नहीं कर पाया।

7. **अकर्मक-**रोना, डरना, शर्माना, जाना
सकर्मक-पीना, देना, सूँघना

8. (क) देता, (ख) सुलाती, (ग) उड़ाता, (घ) करवाता

9. चरणामृत, समयाभाव, पराधीन, सत्यार्थ, भावार्थ

10. वृद्धा, रानी, नवयुवती, आचार्या, सहायिका

11. रसायन का शास्त्री, राज का मार्ग, समय के अनुसार, सेवा का भाव

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 ना खड़े होने का दर्द

1. (क) लेखक के अनुसार चुनाव में ज्यादा वोट बेईमान, मूर्ख लोगों को मिलते हैं।

(ख) लेखक के अनुसार चुनाव जीतने पर रिश्तेदार, मित्र आदि ज्यादा फायदा उठाते हैं।

(ग) लेखक के अनुसार जब तक पुराना साहित्यकार राजनीति में नहीं धँसता उसे डॉक्टरेट की उपाधि नहीं मिलती।

(घ) लेखक को आने वाले चुनावों का इंतजार है।

2. स्वयं कीजिए।

3. (क) प्रतीक्षा, (ख) भाषण, (ग) सुंदरम्, (घ) सिलसिला

4. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓

5.

खेत	चुग गई
शिवम्	सुंदरम्
महज	भाषा
यथा	योग्य

6. लेखक का आशय है कि चुनाव जीतने के बाद वह अपनी हर इच्छा, हर स्वप्न को पूरा कर सकेगा। आदेश देने भर की देर होगी, हर चीज उसके सामने होगी। अपने सभी अभावों और दुर्भाग्य को हराने का हर स्वर्ण अवसर है। अत: समय रहते चूनाव जीतकर यदि अवसर पा लिया तो किसी बात की कमी नहीं रहेगी।

7. (क) मंत्री बनने पर रहने को बँगला, घूमने फिरने के लिए गाड़ी व अन्य सुविधाएँ दी जाती हैं।

(ख) क्योंकि लेखक को लगता जो उसकी इच्छाएँ पूरी नहीं हो पायी है, वह मंत्री बनकर पूरी कर लेता।

(ग) लेखक को चुनाव में न खड़े होने का अफसोस है।

(घ) राजनीति आजीवन चलती है।

8. (क) i, (ख) ii, (ग) ii, (घ) ii

9. (क) ii, (ख) iii

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 सच्चा यज्ञ

1. (क) सेठ अत्यंत विनम्र और उदार थे। धर्मपरायण इतने कि कोई साधु-संत उनके द्वारा से निराश लौटता, भरपेट भोजन पाता। भंडार द्वार सबके लिए खुला था। जो हाथ पसारे, वही पाए। सेठ ने बहुत-से यज्ञ किए थे और दान में न जाने कितना धन दीन-दु:खियों को दिया था।

(ख) अकस्मात् सेठ गरीब हो गए।

(ग) कुंदनपुर नगर सेठ के नगर से आठ-दस कोस दूर था।

2. (क) i, (ख) iii, (ग) i, (घ) ii, (ङ) iii

3. (क) धर्मपरायण, (ख) सेठ, यज्ञ, (ग) देह, कूदने, (घ) बस्ती, (ङ) विश्राम, रास्ता, (च) निस्वार्थ, महायज्ञ

4.

धन्ना सेठ	दान और यज्ञ
पोटली	दैवी शक्ति प्राप्त
दुर्बल	कुत्ता
सेठानी	मोटी-मोटी रोटियाँ

5. (क) सेठानी ने सेठ से कहा

(ख) धन्ना सेठ ने सेठ से कहा

(ग) सेठ ने सेठानी से कहा

(घ) सेठानी ने सेठ से कहा

6. (क) उन दिनों (सेठ जी के समय) यज्ञ बेचने की प्रथा प्रचलित थी।

(ख) एक यज्ञ बेचने की बात सुनकर सेठ जी को बहुत दु:ख हुआ।

(ग) कुंदनपुर की सेठानी के विषय में यह अफवाह फैली थी कि उसको कोई दैवी शक्ति प्राप्त है।

(घ) वृक्षों का कुंज और कुआँ देखकर सेठजी ने थोड़ी देर रुककर भोजन और विश्राम करने का विचार किया।

(ङ) कुत्ता भूख से छटपटा रहा था सेठजी ने कुत्ते को अपनी सारी रोटियाँ खिला दीं।

(च) भूखे कुत्ते को रोटी खिलाकर सेठजी ने महायज्ञ किया और सेठानी ने बताया कि स्वयं न खाकर सारी रोटियाँ कुत्ते को खिलाकर सेठजी ने महायज्ञ किया है क्योंकि नि:स्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ-महायज्ञ है।

7. (क) राजा के यहाँ स्वर्ण के भंडार भरे पड़े थे।

(ख) बिशन कई साल से तंगी में जी रहा है।

(ग) चेतक खून से लथ-पथ था फिर भी नहीं रुका।

(घ) सेठ जी का हृदय बहुत विशाल है।

(ङ) पंडित जी ने सुधा के लिए कई योग्य वर बताए हैं।

(च) शहर के बाहर एक छोटी-सी बस्ती में वह रहता है।

8. (क) यहाँ, (ख) अभी, (ग) उतना, जितना, (घ) तेज

9. (क) वह दिनभर नहीं आई।

(ख) राधा कुछ नहीं कह सकी।

(ग) वह आगे निकल गया।

(घ) दादा जी प्रात: काल घूमने गए।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 गाते हो तरु

1. (क) क्योंकि इनसे हमें जीवन यापन के लिए अनेक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।

(ख) मनुष्य के आलावा अन्य जीव-जंतुओं को भी वृक्षों से लाभ मिलता है।

(ग) वृक्ष काटने से जीव-जंतु व मनुष्य का जीवन संकट में आ जाएगा।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) i

3. (क) चिर सुगंध तरु, गाते हो, कितना जाग्रत गाना!
जड़ कंधों पर चिड़ियाँ चहकीं, डालों गंध-भरी महकीं
फल रस भरे फूल मनमोहें, झूमे हैं कुछ बहकीं-बहकीं,
सब कुछ खोते हो, खरीदते हो कितना 'पाना'?
चिर सुगंध तरु, गाते हो, कितना जाग्रत गाना!

(ख) नीचे कीच, शीश पर बंदर, विषधर घूम रहे डालों पर
फूलों पर भौंरों की भन-भन, उड़न डिठौने-सी गालों पर,
फिर भी शीतल रहने का तरु भेद बताना!
चिर सुगंध तरु, गाते हो, कितना जाग्रत गाना!

4. (क) पेड़-पौधे शांत होते रहते हैं किंतु हवा के चलते ही लहराने लगते हैं उनके हिलते हुए पत्ते ऐसे लगते हैं, मानो उनकी जीभ खुली है वे बोल रहे हैं।
सदैव चुप रहते हुए भी ऐसा आभास होता है कि वह अनेक प्रकार के मंत्रों का जाप कर रहे हैं।

(ख) पेड़ सदैव अपने अवयव सबको देता है उसके फल, पत्ते, लकड़ी सभी दूसरों के काम में आते हैं उसका अपने लिए कुछ भी नहीं है। पेड़ सदैव ऋतुओं की मार सहते हैं किंतु सदैव जागरूक गीत गाते रहते हैं।

5.

सह-सहकर	चहकीं
चिर सुगंध	ऋतुओं की मारें
चिड़ियाँ	रस भरे
फल	घूम रहे डालों पर
विषधर	तरु

6. (क) कविता में गीत पेड़ गा रहे हैं।

(ख) कवि ने सदैव जागरूक गीत गाने की बात कही है।

(ग) कविता में साँप, चिड़ियाँ, बंदर का वर्णन हुआ है।

(घ) चिड़ियाँ पेड़ की डाल पर चहक रही हैं।

(ङ) चिर सुगंध तरु के जाग्रत गान गाने से ठंडी हवा चल पड़ती है पेड़ पत्तों के माध्यम से अपनी जीभ खोलते हैं। स्वयं स्थिर हैं, किंतु जग में आने-जाने लेख लिखते हैं।

(च) क्योंकि यदि वह शीतल रहने का भेद बता देगा तो मनष्य जो जरा सी बात पर उग्र हो जाता ह, वह उपाय करके शीतल व शांत हो जाएगा।

(छ) इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सभी प्रकार के सुख दु:ख सहकर भी हमें पेड़ों की तरह सदैव मुस्कराते रहना चाहिए।

7. (क) सेना हर क्षण सीमा पर नजर रखती है।

(ख) मंत्री जी ने लोगों को जाग्रत करने का काम किया है।

(ग) फूलों की सुगंध मन मोह लेती है।

(घ) कृष्ण की मनमोहक छवि पर कौन मुग्ध न हो जाए।

(ङ) इस कुएँ का जल बहुत शीतल है।

8. दुर्गंध, अंत, दुखी होना, ऊष्ण, चेतन, अस्थिर

9. ऋतुएँ सुगंधों, क्षणों, तरुओं, मंत्रों, बंदरो, भौंरे, फूलों

10.

पेड़, पादप, वृक्ष	खूशबू, महक, सुवास
कपि, हरि, वानर	साँप, भुजंग, सर्प
मधुकर, मधुप, भृंग	

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 पानी रे पानी

1. (क) नदियों का पानी समुद्र में जाकर मिल जाता है।

(ख) जब वर्षा के कारण नदियों का जल स्तर बढ़ जाता है और वह जल गाँवों, कस्बों में आने लगता है, उसे बाढ़ कहते हैं।

(ग) जब वर्षा न हो अर्थात् सूखा पड़ता अकाल है।

2. (क) ii, (ख) iii, (ग) i, (घ) ii

3. (क) पानी, होने, (ख) शहरों में, चीजों, (ग) गुल्लक, (घ) गलती, सजा, (ङ) धरती, गुल्लक, (च) उपयोग, चक्कर

4.

बादल	समुद्र से उठी भाप
झगड़ा	आपस में तू-तू, मैं-मैं
बाढ़	बहुत बड़ी गुल्लक
पृथ्वी	बहुत अधिक वर्षा
अकाल	सूखा

5. (क) समुद्र की भाप का बादल बनना और फिर वर्षा के रूप में पृथ्वी पर आना जल चक्र कहलाता है।

(ख) अब पानी का कुछ अजीब-सा चक्कर सामने आने लगा है। नलों में पानी अब पूरे समय नहीं आता है। नल खोलो तो उससे सूँ-सूँ की आवाज आने लगती है। पानी आता है तो बेवक्त कभी देर रात तो कभी भोर सवेरे। मीठी नींद छोड़कर घर भर की बाल्टियाँ, बर्तन और घड़े भरते फिरो।

(ग) रोज-रोज के इन झगड़ों-टंटों से बचने के लिए मोटर द्वारा कई घरों का पानी खिंचकर घर में एकत्रित कर लेते हैं।

(घ) पानी की कमी ने गाँव-शहरों को ही नहीं, बल्कि हमारे प्रदेशों की राजधानियों में और दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरु जैसे शहरों में भी लोगों को भयानक कष्ट में डाल दिया है।

(ङ) हमारी धरती को लेखक ने एक गुल्लक की तरह बताया है। मिट्टी की बनी इस विशाल गुल्लक में प्रकृति वर्षा के मौसम में खूब पानी बरसाती है। तब रुपयों से भी कई गुना कीमती इस वर्षा को हमें इस

बड़ी गुल्लक में जमा कर लेना चाहिए।

(च) मनुष्य ने जमीन के लालच में तालाबों को कचरे से पाटकर (भरकर) समतल बना दिया है। देखते-ही-देखते इन पर तो कहीं मकान, कहीं बाजार, स्टेडियम और सिनेमा आदि खड़े हो गए।

(छ) हमारी गलती की हम सबको सजा मिल रही है। गर्मी के दिनों में हमारे नल सूख जाते हैं और बरसात के दिनों में हमारी बस्तियाँ डूबने लगती हैं।

6. (क) धूप से तालाब का पानी भाप बन गया।

(ख) मुझे किताबी कभी समझ में नहीं आतीं।

(ग) हमें माता-पिता की सेवा करनी चाहिए।

(घ) सड़क पर तू-तू, मैं-मैं लड़ाई मे बदल गई।

(ङ) सेठ जी ने दान में सारा भंडार खाली कर दिया।

7. (क) सागर, सिंधु, जलधि, (ख) घन, मेघ, जलधर, (ग) वायु, पवन, समीर, (घ) धरा, पृथ्वी, भमि, (ङ) वर्षा, बरखा, बारिश

8. नारियाँ, बहनें, मालाएँ, उँगलियाँ, विधियाँ, रानियाँ, तोते, चींटियाँ, बेटे, छतें

9. (क) वह अपने भाग्य को कोस रही थी।

(ख) दो मोटर की टक्कर हो गई।

(ग) हम घर चले कए।

(घ) हमें जाना है।

(ङ) उसने यही कहा था।

(च) तुम मुझ से क्रुद्ध हो।

(छ) उसने मुझे रुपये नहीं दिए।

(ज) मैं हँस दिया।

10.

जलना, पानी	लज्जा, जल
किनारा, बाण	हिस्सा, भागना

11.

बिल्ली, बिल्ली,	बच्चा, सच्चा
मक्का, पक्का	रस्सी, अस्सी
अम्मा, चम्मच	गद्दा, भद्दा

12. सुंदर, घने, ठंडी, गोल

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 बस्तों की फरियाद

1. (क) परदे के बीच से।

(ख) आजकल कैसे-कैसी शिकायतें आ रहीं महामंत्री, अब तो बस्ते भी शिकायत करने लगे। जमीन-जायदाद की शिकायतें तो आती हैं, मारपीट और स्त्री-पुरुषों के झगड़ों की शिकायतें आना भी समझ में आता है, पर... पर.... ये बस्ते! आश्चर्य है। इन्हें क्या कष्ट हो गया, समझ से परे है महामंत्री।

(ग) महाराज की जय हो!

2. (क) ii, (ख) i, (ग) i, (घ) ii, (ङ) i

3. (क) प्रतिनिधि, इजाजत, (ख) बेल्टों, (ग) पार, (घ) पढ़ाई, सुविधा, (ङ) प्रांगण, (च) कॉपियों, (छ) चावल, अंदाजा

4. (क) बस्तों ने कहा

(ख) महामंत्री ने महाराज से कहा

(ग) महाराज ने महामंत्री से कहा

(घ) बस्तों ने महाराज से कहा

(ङ) बच्चे ने महाराज से कहा

(च) बच्चे ने महाराज से कहा

(छ) महाराज ने बच्चे से कहा

(ज) महामंत्री ने महाराज से कहा

5. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✗, (घ) ✗, (ङ) ✓

6. (क) राजमहल को हजारों बस्तों ने इसलिए घेरा था क्योंकि वे महाराज से शिकायत करना चाहते थे।

(ख) दरबार में आने वाले बच्चे फर्स्ट, फॉर्थ, सेवंथ, टेंथ, टुवेल्थ स्टैंर्ड के थे।

(ग) राजा ने मंत्री से कहा कि यह कार्य तो घर पर भी किया जा सकता है माता-पिता, दादा-दादी के संरक्षण में सीखेंगे तो, उन्हें स्नेह-दुलार भी मिलेगा और बच्चे कुछ अधिक ग्रहण करेंगे।

(घ) राजा ने बचपन प्ले स्कूल के बजाय घर पर इसलिए अच्छा बताया क्योंकि इस तरह वे घर पर माता-पिता और दादा-दादी के साथ रहकर खेलेंगे भी और शिक्षा भी ग्रहण करेंगे।

(ङ) आजकल दादा-दादी बच्चों के साथ इसलिए नहीं रह पाते हैं क्योंकि ज्यादा धन कमाने की चाहत में आदमी गाँव-कस्बा छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहा है। बच्चों के दादा-दादी अपने गाँव-कस्बों के ही होकर रह गए हैं।

(च) शिक्षकों ने नन्हे बालक को हिदायत दी कि अगर बस्ते के वजन संबंधी कोई शिकायत की तो शाला से निष्कासित कर देंगे।

(छ) महामंत्री वजन तौलने की मशीन लाता है।

(ज) बस्ता भारी होने के कारण बच्चे की आँख में आँसू आ जाते हैं।

(झ) बच्चे का वजन तेरह किलो दो सौ ग्राम है।

(ञ) राजा ने बस्तों की समस्या का समाधान यह निकाला है कि कंप्यूटर का युग है बस्तों का चलन बंद किया जाएगा। शाला की कक्षा में और हर घर में कंप्यूटर होंगे। किताबें बंद, कॉपियाँ बंद। न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी।

7. (क) आजकल सड़कों पर बहुत भीड़ रहती है।

(ख) जनता के चुने प्रतिनिधि जनता की नहीं सुनते।

(ग) तुम्हें वहाँ खेलने की इजाजत किसने दी?

(घ) सभी ने खड़े होकर स्वामी जी का अभिवादन किया।

(ङ) रमन मानता है कि वह खुशनसीब है।

(च) अब ये शोर मुझ से बर्दाश्त नहीं होता।

8. आवाजें, परंपराएँ, शिकायतें, वाहनों, बस्ते, शिक्षकों, नजरें, कंधों, सीढ़ियाँ, विद्यार्थियों

9. बच्ची, प्रिया, महारानी, शिष्या, दादी, शिक्षिका, पिता, छात्रा

9.

उपसर्ग	**मूलशब्द**
अभि	वादन
उप	स्थित
महा	मंत्री

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 बात अठन्नी की

1. (क) रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसका वेतन दस रुपये माह था।

(ख) उसने इंजीनियर साहब से वेतन बढ़ाने की बार-बार प्रार्थना की क्योंकि उतने वेतन में उसका गुजारा नहीं चल पाता था।

(ग) शेख साहब फलों के और इंजीनियर साहब मिठाइयों के शौकीन थे।

(घ) रमजान एक चौकीदार था। रसीला और रमजान अच्छे मित्र थे।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii, (घ) ii

3. (क) अमीर, संदेह, (ख) मजिस्ट्रेट, पड़ोस, (ग) ठहरने, कोठरी, (घ) समझ, रिश्वत, (ङ) अपराधी, कोठियों

4.

जगतसिंह	चौकीदार
रसीला	आठ आने
शेख सलीमुद्दीन	शेख साहब
ऋण	इंजीनियर बाबू
रिश्वतखोर	कोठरी
अँधेरी	मजिस्ट्रेट
रमजान	नौकर

5. (क) जगतसिंह ने रसीला से कहा

(ख) रमजान ने रसीला से कहा

(ग) रसीला ने रमजान से कहा

(घ) रसीला ने इंजीनियर बाबू से कहा

(ङ) दासी ने रमजान से पूछा

6. (क) रसीला के गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। वह सारी तनख्वाह घर भेज देता था।

(ख) तनख्वाह बढ़ाने की बात सुनकर इंजीनियर बाबू ने कहा कि अगर कोई तुम्हें ज्यादा दे तो अवश्य चले जाओ मैं तनख्वाह नहीं बढ़ाऊँगा।

(ग) रमजान कोठरी के अंदर से कुछ रुपये लेकर आया और उसने रसीला के हाथ पर रख दिए।

(घ) रसीला ने इंजीनियर बाबू को यह कहते सुना कि बस पाँच सौ। इतनी-सी रकम देकर आप मेरा अपमान कर रहे हैं।

(ङ) इंजीनियर साहब ने रसीला से पाँच रुपये की मिठाई लाने को कहा और उसको पाँच रुपये दिए।

(च) रसीला ने साढ़े चार रुपये की मिठाई खरीदी और अठन्नी रमजान को देकर कर्ज उतारा।

(छ) रसीला चाहता तो कह सकता था कि यह साजिश है।

(ज) शेख साहब ने रसीला को छह महीने की सजा सुनाई।

7. तनख्वाह, चौकीदार, इंजीनियर, परिश्रम, हलवाई

8. (क) हमें तुम्हारी बात पर विश्वास करनी चाहिए।

(ख) तुम्हारी योग्यता पर किसी को संदेह नहीं था।

(ग) हमारा पहला पड़ोस ज्यादा अच्छा था।

(घ) शर्मा जी को तैराकी का शौक है।

(ङ) इस काम के लिए दो सौ रुपये पेशगी चाहिए।

(च) शिवम की हथेली में चोट लग गई है।

(छ) एक तमाचा लगते ही उसने सब सच बता दिया।

(ज) ऊपर वाली कोठरी सालों से बंद है।

9.

विनती, अर्ज	कसम, वादा
अस्वस्थ, रुग्ण	कठोर, हृदयहीन
पाप, दुष्कर्म	

10. सच, बुरा, अस्वस्थ, नकली, उऋणी, सम्मान, अधर्म, मुश्किल, अविश्वास, शिष्य, नि:संदेह, अन्याय

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 उपहार

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) iii, (ख) ii, (ग) ii, (घ) i

3. (क) उपहार, बेहद, (ख) रोजाना, सफाई, (ग) पिंजरे, खाना खाने, (घ) शेरोजा, (ङ) उपहार, मूल्यवान

4. (क) शेरोजा की माँ ने शेरोजा से कहा

(ख) शेरोजा ने अपनी माँ से कहा

(ग) शेरोजा ने स्वयं से कहा

(घ) शेरोजा की माँ ने शेरोजा से कहा

(ङ) शेरोजा की माँ ने शेरोजा से कहा

5. (क) उपहार, (ख) दाने, (ग) माँ, (घ) कम, (ङ) सोने

6. (क) शेरोजा का जन्मदिन था। सबसे बेहद अलग और अनोखा उपहार चिड़िया का पिंजरा था।

(ख) शेरोजा ने कहा कि मुझे चिड़िया की आवाज बहुत पसंद है वह मुझे मीठे सुरों में गाना सुनाएगी।

(ग) शेरोजा की उपस्थिति के कारण चिड़िया पिंजरे में नहीं आ रही थी।

(घ) शेरोजा पिंजरे को अंदर इसलिए लाया क्योंकि वह चिड़िया को देखकर बहुत खुश था।

(ङ) चिड़िया को हाथ में लेकर शेरोजा की माँ ने कहा जरा सावधान रहना। इसे परेशान मत करना। कितना अच्छा होता यदि तुम इसे आजाद कर देते।

7. (क) कल सुलेखा का जन्मदिन था।

(ख) सभा में सभी लोग उपस्थित थे।

(ग) यह स्मारक बहुत खूबसूरत हो।

(घ) तुम्हारी आदत से सभी परेशान हैं।

(ङ) आहट सुनते ही सब सावधान हो गए।

8. (क) अनिश्चयवाचक, (ख) निजवाचक, (ग) पुरुषवाचक, (घ) संबंधवाचक, (ङ) संबंधवाचक

9. (क) शेरोजा उसे बार-बार देख रहा था।

(ख) ''तुम इसे आजाद कर दो।'' माँ ने शेरोजा को सुझाव दिया।

(ग) अरे वाह! कितनी सुंदर चिड़िया यह तो बहुत प्यारी है।

10. पिंजरे, सुंदर, माँ, फँसती, गंदा, प्रबंध

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 कामचोर

1. (क) बच्चों के काम करने और नौकरों को निकालने पर वाद-विवाद चल रहा था।

(ख) रात का खाना काम न करने वाले बच्चों को नहीं मिलेगा।

(ग) फर्शी दरी पर बहुत-से बच्चे जुट गए और चारों ओर से कोने पकड़कर झटकना शुरू किया। दो-चार ने लकड़ियाँ लेकर धुआँधार पिटाई शुरू कर दी।

(घ) अम्मा घर छोड़ जाने की बात करने लगी।

2. (क) iii, (ख) i, (ग) ii, (घ) iii

3. (क) वाद-विवाद, नौकरों, (ख) युद्ध, (ग) धींगा-मुश्ती, (घ) बेनकेल, (ङ) व्याकुल, ब्रेक

4. स्वयं कीजिए।

5. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓

6.

शाही	फरमान
तनख्वाह	उम्मीदवार
लश्टम	पश्टम
तरकारी	टोकरी

7. (क) अम्मा ने, (ख) अब्बा मियाँ ने, , बच्चों से, (ग) बच्चों ने, स्वयं से, (घ) अम्मा ने

8. (क) फरमान अम्मा ने जारी किया क्योंकि वे बच्चों को अनुशासित करना चाहती थी।

(ख) झाड़ू लगाने का, पौधों को पानी देने का, दरी साफ करने का आदि काम करने को कहा गया।

(ग) मुर्गियों को हाँकने पर दीदी का दुपट्टा खराब हो गया और प्याले में रखी खीर बिखर गई। घर में ऐसा प्रतीत हुआ जैसे तूफान आ गया है।

(घ) भैंस का दूध दूहने के लिए झूले की रस्सी उतारकर भैंस के पैर बाँध दिए गए। पिछले दो पैर चाचाजी की चारपाई के पायों से बाँध, अगले दो पैरों को बाँधने की कोशिश जारी थी कि भैंस भाग निकली।

(ङ) अब्बा ने सबको कतार में खड़ा करके पूरी बटालियन का कोर्ट मार्शल कर दिया, ''अगर किसी बच्चे ने घर की किसी चीज को हाथ लगाया तो, रात का खाना बंद हो जाएगा।''

9. (क) नीर, जल, तोय, (ख) दिवस, वार, वासर, (ग) निशा, रजनी, शान्ति

10. (क) शाबाश! मुझे तुम से यही उम्मीद थी।

(ख) छि: छि:! तुमने अच्छा नहीं किया।

(ग) हाय! ये कैसे हुआ।

(घ) अहा! कितना सुहावना मौसम है।

(ङ) थू-थू! इतना गिरा हुआ व्यवहार।

(च) हे राम! यह तो अनर्थ हो गया।

11. स्वयं कीजिए।

12. (क) प्राचीन, (ख) अभूतपूर्व, (ग) कामचोर, (घ) प्रतिदिन, (ङ) साप्ताहिक

13. (क) अंत, (ख) अनिश्चय, (ग) भूतकाल, (घ) गंदा, (ङ) दिन, (च) नि:संकोच

14. (क) उसकी आदत है सभी की सहायता करना।

(ख) सुधाकर की उन्नति एक मिसाल है हम सबके लिए।

(ग) इस महीने तनख्वाह देर से मिलेगी।

(घ) मालकिन ने सभी नौकरों को समझा दिया है।

(ङ) दादी जी आज भी चारपाई पर सोता हैं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-19 आदर्श वीरांगना : महारानी लक्ष्मीबाई

1. (क) वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का जन्म १९ नवंबर, १८३५ को काशी में हुआ।

(ख) उनके पिता का नाम मोरोपंत तांबे और माता का नाम भागीरथी बाई था।

(ग) 7 मार्च, 1854 को झाँसी पर अंग्रेजों का अधिकार हुआ।

2. (क) ii, (ख) i, (ग) iii, (घ) iii

3. (क) सेनानायक, कृपा, (ख) आनंद, निधन, (ग) असहनीय, घबराई, (घ) ह्यूरोज ने, (ङ) विजयोल्लास, विरुद्ध

4.

लक्ष्मीबाई	माता
गंगाधर राव	क्रांति की ज्वाला
मोरोपंत	वीरांगना
भागीरथी	पिता
प्रज्वलित	झाँसी के राजा

5. (क) काशी, (ख) पिता, (ग) कृपा, (घ) माना, (ङ) तात्या टोपे

6. (क) रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम मणिकर्णिका था।

(ख) लक्ष्मीबाई का उपनाम मनुबाई था।

(ग) मनुबाई का विवाह गंगाधर राव से हुआ था। वे झाँसी के राजा थे।

(घ) सारी झाँसी शोक लहर में इसलिए डूब गई क्योंकि पति की मृत्यु के चार माह पश्चात् ही मनु के पुत्र का निधन हो गया था।

(ङ) राजा गंगाधर ने अपने परिवार के बालक दामोदर राव को गोद लिया, उसे अंग्रेजों ने उत्तराधिकारी मानने से इंकार किया।

(च) उत्तरी भारत के नबाव और राजे-महाराजे इसलिए असंतुष्ट हो गए क्योंकि अंग्रेजों की राज्य लिप्सा की नीति थी।

(छ) अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने में नबाव वाजिद अलीशाह की बेगम हजरत, अंतिम मुगल सम्राट की बेगम जीनत महल स्वयं मुगल सम्राट बहादुर शाह, नाना साहब के वकील अजीमुल्ला, शाहगढ़ के राजा, वानपुर के राजा मर्दनसिंह और तात्या टोपे आदि सभी ने महारानी के इस कार्य में सहयोग किया।

7. (क) काला, (ख) ऐतिहासिक, (ग) पतली, मोटी, (घ) चार किलो, (ङ) काले

8. (क) रंग-बिरंगे, (ख) रंग-बिरंगी, (ग) साप्ताहिक, (घ) काला, (ङ) प्राचीन, (च) विदुषी, (छ) समृद्ध, (ज) ईमानदार, (झ) मोटा, (ञ) कुशल

9. (क) असह्य, (ख) विधवा, (ग) दत्तक पुत्र, (घ) ऐतिहासिक

10. (क) सैनिक की शहादत से पूरा देश शोक में डूब गया।
मधु को घुड़सवारी का शौक है।

(ख) बच्चे उस ओर से आ रहे हैं।
मैं और तुम दोनों घूमने चलेंगे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।